epaper.dehatsandesh.com

3 ओपन जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, हीरानगर बना चैंपियन

5 मनुष मानव की जोड़ी सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में पहुंची, रचा इतिहास

8 किचन गार्डनिंग क्या है?

मौसम जम्मू — न्यूनतम 12, अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-51 | जम्मू तवी, शुक्रवार 27 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

वैश्विक नेता बनने के लिए राष्ट्र को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति पानी होगी : उपराष्ट्रपति

श्रीनगर, 26 फरवरी । उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नवाचारों के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के लिए देश को अपनी औपनिवेशिक मानसिकता त्यागनी होगी। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग के प्रति सचेत रहने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस पर नियंत्रण रखना होगा। सोशल मीडिया आपको जीवन में अधिक सफल होने में मदद नहीं करेगा। हर चीज की अपनी सीमा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक स्नातक छात्र के रूप में मैं आप सभी से स्वदेशी नवाचार और भारतीय ज्ञान, संसाधनों और आवश्यकताओं पर आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता हूं। हमें चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, हमें हीन होने की आवश्यकता नहीं है। हमें सबसे पहले अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में उद्यमशीलता के माहौल को पहले से कहीं अधिक जीवंत और सहायक बनाया है। कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सभी वैज्ञानिकों से इस महामारी के लिए टीका विकसित करने का आह्वान किया है। हममें से कितने लोगों ने इस पर विश्वास किया था? लेकिन हमने सबसे बेहतरीन टीका खोज लिया है और यह पूरी मानवता के लिए बहुत कारगर साबित हुआ है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि इसी टीके पर सबसे विकसित पश्चिमी देशों ने भी शोध और विकास किया है, लेकिन वे सभी इसे पेटेंट कराने में पीछे रह गए, ताकि वे इसे ऊंची कीमत पर बेच सकें। उन्होंने कहा कि एक टीका 7,500 अमेरिकी डॉलर में बिक सकता है, लेकिन एक गरीब आदमी इसे कैसे खरीद सकता है? उन्होंने कहा कि भारतीय नवाचारों को पश्चिमी दुनिया में भी व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि अब पूरी दुनिया आपके लिए खुली है, यह आपकी पहल है, आपकी रुचि है, आपका उत्साह है और आपकी मेहनत आपको दुनिया के शिखर पर पहुंचाएगी। राधाकृष्णन ने बताया कि हाल ही में केंद्र सरकार ने 1600 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास और विस्तार को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि पर्यटन का विस्तार किया जाना है, लेकिन इसे हमारे महान राज्य के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित किए बिना किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि चिनाब नदी पर बना रेल पुल एक चमत्कार है जो सबसे ऊंचा रेलवे पुल है।उन्होंने कहा कि कई अन्य अवसंरचना परियोजनाएं हैं जो एक बड़ा संदेश देती हैं। ये परियोजनाएं इंजीनियरिंग उपलब्धियों से कहीं अधिक हैं।

उपराष्ट्रपति ने श्रीनगर में डल झील पर शिकारा की सवारी का लिया आनंद

श्रीनगर, 26 फरवरी । उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को प्रतिष्ठित डल झील पर शिकारे की सवारी का आनंद लिया और इस अनुभव को श्रीनगर के शाश्वत आकर्षण और प्राकृतिक सुंदरता की झलक बताया।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन कश्मीर घाटी की अपनी पहली यात्रा पर बुधवार शाम यहां पहुंचे। उनका गुरुवार शाम को कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने का कार्यक्रम है। उपराष्ट्रपति ने आज डल झील पर सुबह की यात्रा के दौरान श्रीनगर के शाश्वत आकर्षण, प्राचीन जल और लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में हो रहे परिवर्तनकारी बदलावों,

विशेषकर बुनियादी ढांचे के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी से बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि मैं इको-पर्यटन को बढ़ावा देने, प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा करने में प्रशासन के प्रयासों की सराहना करता हूं।

राष्ट्र निर्माण युवा पीढ़ी की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए : उपराज्यपाल सिन्हा

श्रीनगर, 26 फरवरी । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्र निर्माण युवा पीढ़ी की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि जब देश मजबूत होगा तो वे प्रगति करेंगे। समारोह में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि थे। कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने संस्थान से बड़ी संख्या में महिला छात्रों के शीर्ष सम्मान प्राप्त करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एकमात्र प्राथमिकता देश पहले होनी चाहिए। आपको याद रखना चाहिए कि जब आप देश का निर्माण करते हैं, तो देश आपको वापस बनाता है। जब राष्ट्र ऊपर उठता है, तो आप भी उठते हैं। सिन्हा ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए छात्रों और संकाय को तीन चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बदलती

परिस्थितियों के लिए अनुकूलनशीलता, विफलता सीखने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है और एक उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अनुकूलनशीलता होनी चाहिए। असफलता को सजा के रूप में नहीं बल्कि सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी पर निर्भर नहीं रहना है, बल्कि इसे एक उपकरण के रूप में उपयोग करना है।

ईओडब्ल्यू ने कोविड आपूर्ति घोटाले में दो लोगों पर मामला दर्ज किया

श्रीनगर, 26 फरवरी । जम्मू-कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने केंद्र शासित प्रदेश में कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सा सामग्री की खरीद से जुड़े बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के आरोप में श्रीनगर के दो निवासियों के खिलाफ औपचारिक मामला दर्ज किया है।

ईओडब्ल्यू के मुताबिक यह मामला एक लिखित शिकायत के बाद शुरू किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पीरबाग और सनत नगर, श्रीनगर के निवासियों ने खुद को जम्मू-कश्मीर मंत्रालय और ओएसडी सप्लाई के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत किया। धोखे से उन्होंने विभागों और संस्थानों को चिकित्सा सामग्री के लिए भुगतान असली आपूर्तिकर्ताओं के नाम पर फर्जी तरीके से खोले गए बैंक खातों में स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित किया।

बयान में कहा गया है कि आरोपितों ने कथित तौर पर असली आपूर्तिकर्ता की पहचान को गलत तरीके से प्रस्तुत करने के लिए फर्जी ई-मेल आईडी भी बनाईं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपितों ने बेईमानी से एक सरकारी कार्यालय से 27 लाख रुपये प्राप्त किए और एक सरकारी चिकित्सा संस्थान से धोखाधड़ी करके 2.24 करोड़ रुपये निकालने की योजना बनाई थी। बयान में कहा गया है कि प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के आधार पर अपराध सिद्ध होने के बाद केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती गांव अब 'संबंध के प्रतीक', संघर्ष के नहीं : मुख्यमंत्री उमर

श्रीनगर, 26 फरवरी । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि क्षेत्र के सीमावर्ती गांव अब संघर्ष के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि कनेक्शन के प्रतीक के रूप में उभरे हैं, क्योंकि सरकार इन क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र के साथ साझेदारी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे ग्लेशियर घट रहे हैं और हमारी सर्दियां बदल रही हैं। हम जिसे बढ़ावा देते हैं, हमें उसकी रक्षा करनी चाहिए, यही कारण है कि हम टिकाऊ बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं। कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सीएम उमर ने कहा कि उनकी सरकार समावेशी और सतत विकास सुनिश्चित करते हुए जम्मू-कश्मीर को नवाचार और ज्ञान-आधारित उद्योगों के केंद्र में बदलने के लिए काम कर रही है। स्नातक करने वाले छात्रों को पूरी तरह से खिले हुए जम्मू-कश्मीर के वसंत के रूप में बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन, कृषि परिवर्तन और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य सहित क्षेत्र के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों को रेखांकित किया। उमर ने हाल ही में पेश किए गए 2026-27 के बजट का जिक्र करते हुए कहा कि हम एक महत्वपूर्ण क्षण में मिल रहे हैं। इसे राजकोषीय दिशा-निर्देश बताते हुए उन्होंने कहा कि बजट एक आधुनिक, प्रगतिशील और आर्थिक रूप से जीवंत जम्मू-कश्मीर बनाने के सरकार के इरादे को दर्शाता है। विज्ञापनदशकों तक, हमें केवल पर्यटन या केवल कृषि द्वारा परिभाषित किया गया था। उन्होंने यह स्वीकार करते हुए कहा कि इस क्षेत्र को 2025 के आघात के बाद आर्थिक झटके का सामना करना पड़ा है। उमर ने कहा कि हमारे लचीलेपन ने हमें परिभाषित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का दृष्टिकोण तीन स्तंभों- योग्यता, स्थिरता और डिजिटल संप्रभुता पर आधारित है। पर्यटन पर उमर ने कहा कि सरकार सीमा पर्यटन को बढ़ावा देकर गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पारंपरिक स्थलों से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि केरन, गुरेज़ और टीटवाल जैसे गांव, जो कभी संघर्ष का पर्याय थे, अब कनेक्शन के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार, केंद्र सरकार के सहयोग से, नौ नए पर्यटन स्थलों का विकास कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पर्यटन का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भारत-इजरायल साझेदारी होगी विशेष रणनीतिक, मोदी-नेतन्याहू के बीच ईरान फिलिस्तीन पर चर्चा

नई दिल्ली, 26 फ़रवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को शांति, स्मृद्धि और नवाचार पर आधारित 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' तक ले जाने का फैसला किया है। दोनों नेताओं की मौजूदगी में रक्षा सहयोग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, सायबर और कृषि क्षेत्र में सहयोग के अनेक समझौतों और करारों पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि द्विपक्षीय संबंध गहरे विश्वास और सहयोग पर आधारित हैं जिससे क्षेत्रीय और विश्व स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की। बातचीत में प्रौद्योगिकी और नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता व उभरती तकनीकें, रक्षा-सुरक्षा, व्यापार-अर्थव्यवस्था, श्रम गतिशीलता, शिक्षा, ब्लू इकोनॉमी, कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र शामिल

रहे। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए दोनों देशों ने संबंधों को शांति, नवाचार और समृद्धि हेतु विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। तकनीक, विज्ञान, वित्त, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में कई ठोस समझौते भी अंतिम रूप दिए गए। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के इस पक्ष को दोहराया की सभी मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत के जरिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में किए जा रहे किसी प्रयास या पहल में सहयोग देने के लिए तैयार है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वार्ता के बाद एक पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत ने फिलिस्तीन समस्या के संबंध में किए जा रहे शांति प्रयासों का समर्थन किया है।

एसईडी ने टीईटी संबंधी आदेश को स्थगित रखा

श्रीनगर, 26 फरवरी। स्कूल शिक्षा विभाग (एसईडी) ने गुरुवार को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से संबंधित अपने आदेश को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया है।

एसईडी के सचिव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, टीईटी आयोजित करने के लिए Jammu and Kashmir Board of School Education/स्टेट स्कूल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (एसएसएसए) को नोडल एजेंसी नामित करने संबंधी सरकारी आदेश को अगली सूचना तक स्थगित रखा जाता है।

इससे पहले जारी आदेश में विभाग ने कहा था कि सरकार को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा Supreme Court of India के निर्देशों के अनुपालन में, जेकेबीओएसई/स्टेट स्कूल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (एसएसएसए) को जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में टीईटी आयोजित करने के लिए तत्काल प्रभाव से नोडल एजेंसी नामित किया जाता है।पूर्व आदेश में कहा गया था, जेकेबीओएसई, एसएसएसए अक्टूबर-2025 में आयोजित बैठक में तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार टीईटी परीक्षा ढांचे को लागू करने के लिए आवश्यक त्वरित कदम उठाएगा।

एसईडी ने यह भी कहा था कि जेकेबीओएसई टीईटी आयोजित करने के लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार कर अधिसूचित करेगा।

बोर्ड लॉजिस्टिक, तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए एनआईसी, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, गृह विभाग तथा अन्य संबंधित प्राधिकरणों के साथ समन्वय करेगा, आदेश में उल्लेख किया गया था।

जम्मू कश्मीर में मिलिटेंसी लगातार कम हुए, हालात नॉर्म : वेस्टर्न आर्मी कमांडर

पठानकोट (पंजाब), 26 फरवरी। वेस्टर्न कमांड के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने गुरुवार को कहा कि आर्मी भविष्य की इमरजेंसी के लिए पूरी तरह तैयार है और न्यूक्लियर धमकियों से नहीं डरेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाले किसी भी झगड़े का ज़मीन पर निर्णायक नतीजा निकलेगा। आर्मी कमांडर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तान ने न्यूक्लियर धमकियां देते हुए सीज़फ़ायर की बहुत कोशिश की। जैसा कि आपने देखा है, जम्मू-कश्मीर में मिलिटेंसी के सभी पैरामीटर लगातार कम हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में हालात बहुत नॉर्मल हो गए हैं। हालांकि, जैसा कि मैंने पहले कहा, यह पाकिस्तान की एक सोची-समझी साज़िश है ताकि कुछ टेररिस्ट माहौल खराब कर सकें। कठुआ-किश्तवाड़ बेल्ट में टेरर एनकाउंटर पर एक सवाल के जवाब में, आर्मी कमांडर ने कहा, ﬥहमें जहां भी जानकारी मिलती है, हम तुरंत और तुरंत एक्शन लेते हैं। जैसा कि आपने इस साल देखा है, कई सफल ऑपरेशन में, हमने उन टेररिस्ट को न्यूट्रलाइज़ किया जो हमारे देश में गड़बड़ी पैदा करने आए थे। पाकिस्तान में टेरर लॉन्च पैड और टेरर कैंप के फिर से बनने के बारे में एक और सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ﬥहमने उन पर नज़र रखी है। हमें पूरी जानकारी है

कि वहां क्या हो रहा है। अगर वे अपने टेररिस्ट बेस को फिर से बनाने या फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं, तो हमारे पास वह जानकारी है। हम उसी हिसाब से अपने प्लान बनाएंगे।ﬥऑपरेशन सिंदूर के बाद टेररिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के फिर से बनने की खबरों पर लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा कि पाकिस्तान की मिलिट्री लीडरशिप टकराव पर ही फलती-फूलती है। पाकिस्तान की मिलिट्री लीडरशिप रेलिवेंट बने रहना चाहती है और नहीं चाहती कि पॉलिटिशियन पावर पर कब्ज़ा करें। उनकी रेलिवेंट भारत के साथ टकराव की स्थिति से आती है।

सुप्रीम कोर्ट ने झूठे मामलों में अंकुश लगाने के लिए दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 26 फरवरी।। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर नोटिस जारी किया, जिसमें केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को पुलिस स्टेशनों और सार्वजनिक कार्यालयों में डिस्प्ले बोर्ड लगाने के निर्देश देने की मांग की गई है, जिसमें झूठी शिकायतें, मनगढ़ंत आरोप और झूठे सबूत दाखिल करने के दंडात्मक परिणामों को उजागर किया गया हो। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत दलीलों को सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि बंधुत्व का संवैधानिक सिद्धांत सामाजिक आचरण का मार्गदर्शन करना चाहिए और चेतावनी दी कि झूठे मामलों के माध्यम से आपराधिक कानून का दुरुपयोग निर्दोष नागरिकों के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा, ﬥसमस्या तब उत्पन्न होती है जब झूठी शिकायतें दर्ज की जाती हैं। बेचारे शिकायतकर्ता को यह भी पता नहीं होता कि उसके नाम पर झूठा मामला दर्ज कर लिया गया है और उसका शोषण किया जा रहा है।ﬥयाचिका में पुलिस स्टेशनों, तहसील कार्यालयों, जिला न्यायालयों, पंचायत भवनों, नगरपालिका कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में डिस्प्ले बोर्ड लगाने की मांग की गई है, जिसमें नागरिकों को झूठी शिकायतें, झूठे आरोप, झूठे बयान और मनगढ़ंत सबूत दाखिल करने के कानूनी परिणामों के बारे में सूचित किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी का सिंगापुर और जापान दौरा संपन्न, डेढ़ लाख करोड़ का हुआ एमओयू

लखनऊ, 26 फरवरी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चार दिवसीय सिंगापुर व जापान दौरा पूरा हुआ। इस यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार को 1.5 लाख करोड़ के एमओयू तथा 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से पांच लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और यह उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम सिद्ध होगा। गुरुवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री के दौरे से जुड़ी पूरी जानकारी दी गयी। जापान में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि जापान में 90 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल को प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग एक लाख करोड़ के निवेश

यूपी की कानून-व्यवस्था और पारदर्शिता पर वैश्विक विश्वास

-एमओयू व निवेश प्रस्तावों से यूपी में पांच लाख रोजगार सृजन की उम्मीद

प्रस्ताव मिले हैं। इन प्रस्तावों को आगे बढ़ाने का कार्य इन्वेस्ट यूपी और राज्य के अन्य संबंधित विभाग समयबद्ध ढंग से करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पूरी यात्रा के दौरान यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला कि कानून-व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर प्रधानमंत्री मोदी का प्रारंभ से रहा फोकस अब परिणाम दे रहा है। टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग और प्रशासनिक पारदर्शिता से वैश्विक निवेशकों का विश्वास अर्जित होता है और यही विश्वास दोनों देशों में उत्तर प्रदेश के प्रति दिखाई दिया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया गया है तथा रूल ऑफ लॉ के अनुरूप बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव निवेश के माहौल पर पड़ा है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यामानाशी के गवर्नर अगस्त माह में लगभग 200 जापानी सीईओ के प्रतिनिधिमंडल के साथ उत्तर प्रदेश आने वाले हैं, जो संभावित निवेश को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। भी एक बड़ा बिजनेस डेलिगेशन उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आने को उत्सुक है।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव के साथ आर्थिक साझेदारी बढ़ाने पर हुई बहुत ही सार्थक चर्चा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,26 फरवरी।। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए बहुत ही सार्थक चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए गोयल ने बताया कि उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य सचिव और भारत में अमेरिकी राजदूत की मेजबानी की और द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बातचीत की। उन्होंने कहा कि चर्चा का मुख्य फोकस भारत और अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ाने और संबंधों को और गहरा करने पर रहा। गोयल ने एक्स पर लिखा, अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की मेजबानी की। व्यापार और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए बहुत ही सार्थक चर्चाएं हुईं। सर्जियो गोर ने भी इस बैठक को प्रोडक्टिव बताया और कहा, ﬥहावर्ड लटनिक और पीयूष गोयल के साथ बहुत ही उपयोगी लंच मीटिंग रही। हमारे दोनों देशों के लिए सहयोग के कई क्षेत्र मौजूद हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका मजबूत करने और प्रमुख साझेदार देशों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाने पर काम कर रहा है। सरकार भारतीय कारोबारियों के लिए ज्यादा बाजार

पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने पर जोर दे रही है। इससे पहले गोयल ने कहा था कि भारत 38 देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) कर चुका है, जिससे भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से तक विशेष पहुंच मिली है। उन्होंने बताया कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं, कृषि और मत्स्य उत्पादों तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नए बाजार मिल रहे हैं और प्रतिभा की आवाजाही भी आसान हो रही है।

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।
लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।
कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।
एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।
उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।
मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।
एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।
जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।
एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।
जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।
जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।
जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?
मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया। इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है। धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।
जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जस्मेरगढ़ किले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष आउटिंग कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिक कल्याण पहल के तहत उपमंडल हीरानगर के वरिष्ठ नागरिकों के लिए जस्मेरगढ़ किले, झांडी में एक दिवसीय मनोरंजन एवं भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह ने एसडीएम कार्यालय से किया, जिसमें तहसीलदार और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस विशेष पहल में उपमंडल के विभिन्न क्षेत्रों से 20 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए प्रेरित करना तथा सामाजिक सहभागिता का अवसर प्रदान करना था। इस दौरान कैरम और म्यूजिकल चेयर जैसी मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर और योग सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कर मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए।

ओपन जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, हीरानगर बना चैंपियन

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित ओपन जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में हुआ जिसमें उपमंडल हीरानगर की टीम ने खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के मुकाबले पहले बसोहली, बिलावर, बनी और हीरानगर उपमंडलों में आयोजित किए गए जिसके बाद विजेता टीमों के बीच सेमीफाइनल और फाइनल मैच कठुआ में खेले गए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों के प्रदर्शन, अनुशासन और टीम भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर सीपीओ रणजीत ठाकुर, जिला समाज कल्याण अधिकारी वरुण चौधरी, डीआईओ राजिंदर डिगरा सहित जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता यात्रा' का शुभारंभ, 30 विद्यार्थी पांच राज्यों का करेंगे भ्रमण, 'वसुधैव कुटुंबकम्' का देंगे संदेश

जम्मू, 26 फ़रवरी (हि.स.)। लेह स्थित लोक भवन में आज 'राष्ट्रीय एकता यात्रा' का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह यात्रा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा एसईआईएल और विद्यार्थी सेवा एजुकेशनल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित की गई है। कार्यक्रम को लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एबीवीपी नॉर्थ ज़ोन के संगठन सचिव गौरव अत्री भी उपस्थित रहे। इस यात्रा के अंतर्गत लद्दाख के नुब्रा, कारगिल, लेह, लामायुरु, शांग, न्योमा और जांस्कर सहित विभिन्न क्षेत्रों के 30 विद्यार्थी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर का शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक

भ्रमण करेंगे। यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की विविध संस्कृति, परंपराओं और शैक्षणिक व्यवस्थाओं से परिचित कराना है ताकि उनमें राष्ट्रीय एकता और समरसता की भावना सुदृढ़ हो।

यात्रा के दौरान विद्यार्थी पांच राज्यों में 80 से अधिक परिवारों के साथ 'घर से दूर एक घर' थीम के तहत रहेंगे जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को साकार करेगा। वे विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विशिष्ट व्यक्तित्वों और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों से संवाद भी करेंगे। यह यात्रा 11 मार्च को संपन्न होगी। कार्यक्रम की प्रेरणा 1966 में प्रारंभ हुए एसईआईएल (स्टूडेंट्स एक्सपीरयंस इन इंटर-स्टेट लिविंग) अभियान से ली गई है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और राष्ट्रीय समन्वय को प्रोत्साहित करना है।

कठुआ में लगातार दूसरे दिन पेपर मिल में आग, इकाई में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध नहीं, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। कठुआ के औद्योगिक क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन पेपर मिल में आग लगने की घटना सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बुधवार को अमन पेपर मिल में आग लगने के बाद गुरुवार को जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप मगर खड्ड के पास स्थित कोमल पेपर मिल में भी संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक आग लग गई। लगातार दो दिनों में दो पेपर मिलों में आग की घटनाओं ने औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा व्यवस्था और कारणों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार कोमल पेपर मिल परिसर में बड़ी मात्रा में पराली को स्टोर किया गया था, जिसका उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है। इसी दौरान अचानक आग लग गई, जिसने देखते ही देखते परिसर के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही इकाई प्रबंधन ने दमकल विभाग को सूचित किया, जिसके बाद दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गईं। समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पाने के प्रयास जारी थे।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को भी अमन पेपर मिल में इसी प्रकार गन्ने के वेस्ट में आग लगने से नुकसान हुआ था। लगातार दो दिनों में समान परिस्थितियों में आग लगने की घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग इसे औद्योगिक इकाइयों की लापरवाही मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे इंश्योरेंस क्लेम से जोड़कर भी देख रहे हैं। हालांकि इन चर्चाओं की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। दमकल विभाग के कर्मियों ने बताया कि कोमल पेपर मिल में आग बुझाने के पर्याप्त उपकरण उपलब्ध नहीं थे, जबकि इस प्रकार की औद्योगिक इकाइयों में अग्निशमन यंत्र लगाना अनिवार्य होता है। उन्होंने कहा कि अधिकांश इकाइयों में पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था नहीं होने के कारण नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि दमकल विभाग को स्टेशन से मौके तक पहुंचने में करीब 15 मिनट का समय लग जाता है। इस घटना ने औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जरूरत इस बात की है कि संबंधित विभाग औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

कठुआ में रैंप कार्यक्रम के तहत जागरूकता एवं सुविधा शिविर आयोजित, उद्यम पंजीकरण पर दिया गया जोर

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। जिला उद्योग केंद्र कठुआ द्वारा ग्रीन पार्क कॉलोनी में जागरूकता एवं सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों, व्यापारियों और नए उद्यमियों को उद्यम पंजीकरण के प्रति जागरूक करना और मौके पर ही पंजीकरण सुविधा प्रदान करना था।

कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक डीआईसी कठुआ मुश्ताक अहमद चैधरी की देखरेख में किया गया। इस दौरान फंक्शनल मैनेजर सूर्यवंशी मनीष भगत, पल्लवी भारद्वाज, विवेक सिंह और विशवदीप सिंह सहित विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभागियों को उद्यम पंजीकरण की प्रक्रिया, महत्व और लाभों की जानकारी दी। शिविर में कठुआ यूनिट्स इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों, औद्योगिक इकाइयों के संचालकों, व्यापारियों और हितधारकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को सरकारी प्रोत्साहन, ऋण सुविधा, सब्सिडी और अन्य लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया तथा मौके पर ही पंजीकरण से संबंधित सहायता भी प्रदान की गई। महाप्रबंधक ने कहा कि उद्यम पंजीकरण एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने और उद्यमियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम का समापन हितधारकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ।

डीसी कठुआ की अपील-सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान में बढ़-चढ़कर लें हिस्सा

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने जिले की किशोरियों और उनके अभिभावकों से सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। यह विशेष टीकाकरण अभियान 28 फरवरी को देशभर में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया जा रहा है।

डीसी ने बताया कि कठुआ जिले में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की कुल 4,583 किशोरियों की पहचान टीकाकरण के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि इस विशेष अभियान के तहत सभी चिन्हित लाभार्थियों को तीन माह की अवधि के भीतर टीका लगाया जाएगा। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में टीकाकरण और जागरूकता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह बीमारी समय पर टीकाकरण से रोकी जा सकती है। उपायुक्त ने सभी पात्र किशोरियों से अपील की कि वे अपने नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर बिना देरी टीकाकरण अवश्य करवाएं।

नगर परिषद ने हटाया फुटपाथ से अतिक्रमण

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। नगर परिषद कठुआ द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत गुरुवार को हटली मोड़ क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बने फुटपाथ और सर्विस लेन पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। अभियान के दौरान नगर परिषद की टीम के साथ तहसीलदार कठुआ और पुलिस बल भी मौजूद रहा। कार्रवाई के दौरान फुटपाथ पर खड़ी रेहड़ियों, अस्थायी ढांचों और अवैध रूप से बनाए गए अड्डों को हटाया गया। अधिकारियों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग से सटी सर्विस लेन और पैदल मार्ग पर लंबे समय से अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके कारण राहगीरों को सड़क के बीच चलने पर मजबूर होना पड़ता था

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल अभियंता–तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई–निविदाएं, अंतिम तिथि **18.03.2026** समय **15:00** बजे तक, **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**बोली शुरू की तिथि**	**बोली समापन की तिथि तथा समय**
24.02.2026	04.03.2026	18.03.2026/ 15:00 बजे

क्रम संख्या	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
1.	236-2025-26 -ADEN-I-ASR	सहायक मंडल अभियंता-प्रथम/अमृतसर खंड में अमृतसर रेलवे स्टेशन पर वाशिंग लाइन नंबर 4 और सिक लाइन/एसी पिट के सुधार कार्य।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि (रु.)	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
1,81,55,144.98/-	2,40,800.00/-	60 दिन	12 महीने

समान प्रकृति का कार्यः- निम्नलिखित कार्यों में शामिल कोई भी कार्यः– "1. सीसी एप्रन/वॉशेबल एप्रन/बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी) का निर्माण और/या 2. सीसी एप्रन/वॉशेबल एप्रन/बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी) की मरम्मत/पुनर्निर्माण और/या 3. पुलों में कंक्रीट का कार्य।"

नोटः 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे।

सं.: 236-2025-26-ADEN-I-ASR दिनांकः 25.02.2026 **640/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

7.76 ग्राम चिट्टे के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 7.76 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) जैसे नशीले पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस थाना लखनपुर क्षेत्र के मगर खड्ड स्थित शिव मंदिर के पास की गई।

जानकारी के अनुसार एसएचओ लखनपुर इंस्पेक्टर नीरज चैधरी के नेतृत्व में लखनपुर पुलिस द्वारा लगाए गए नाके के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सुलेमान पुत्र गामा निवासी होशियारपुर (पंजाब), हाल निवासी मगर खड्ड तहसील व जिला कठुआ बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 7.76 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ थाना लखनपुर में एफआईआर नंबर 23/2026 धारा 8/21/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

अवैध खनन पर कार्रवाई- जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गांदरबल और शोपियां में 13 वाहन किए जब्त

श्रीनगर, 26 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल और शोपिया जिलों में अवैध रूप से लघु खनिजों के खनन और परिवहन में शामिल 13 और वाहन पुलिस ने जब्त किए हैं।

बयान के अनुसार गांदरबल जिले में ये वाहन अनिवार्य अनुमतियों के बिना नाला सिंध से अवैध रूप से निकाले गए खनिजों का परिवहन कर रहे थे। भूविज्ञान एवं खनन विभाग के साथ त्वरित समन्वय में संबंधित पुलिस थानों की टीमों ने मौके पर ही इन वाहनों को रोककर जब्त कर लिया जिससे क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन पर शिकंजा कस गया है। बयान में कहा गया है कि अवैध खनन से न केवल सरकारी खजाने को नुकसान होता है बल्कि यह क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

मुट्ठी कैंप में नि-शुल्क बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर, 267 मरीजों को मिला लाभ

जम्मू, 26 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू के मुट्ठी कैंप स्थित कम्युनिटी हॉल में वीरवार को पीपुल्स हट फाउंडेशन ने राहत एवं पुनर्वास विभाग (एम) जम्मू-कश्मीर के सहयोग से एक व्यापक फ्री मल्टी-स्पेशियलिटी मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया। शिविर में कुल 267 मरीजों की जांच व उपचार किया गया, जिनमें बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की संख्या अधिक रही। शिविर का उद्घाटन राहत एवं पुनर्वास आयुक्त (एम) डॉ. अरविंद करवानी ने किया। इस अवसर पर डीसी रिलीफ विजय कुमार शर्मा, रॉकी पंडिता तथा टीआरटी मुट्ठी कैंप के अध्यक्ष अनिल भान भी उपस्थित रहे। यह शिविर फाउंडेशन के मोबाइल हेल्थ क्लिनिक प्रोग्राम का हिस्सा है जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना है। कार्यक्रम को उजाला सिग्नस जेके मेडिसिटी की सेहत चौपाल पहल, शार्प साइट आई हॉस्पिटल और आयुष निदेशालय का सहयोग प्राप्त हुआ।

शिविर में जनरल फिजिशियन, आर्थोपेडिक्स, फिजियोथेरेपी, नेत्र जांच, आयुष एवं एलोपैथिक दवाओं की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की विस्तृत जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। डॉ. अरविंद करवानी ने कहा कि इस प्रकार के शिविर विशेष चिकित्सा सुविधाओं और जरूरतमंद लोगों के बीच की दूरी को कम करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को सरकारी समर्थन देने का आश्वासन दिया। आयोजकों ने बताया कि फाउंडेशन आगे भी स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद वर्गों की सेवा करता रहेगा।

GOVERNMENT OFJAMMUANDKASHMIR
OFFICEOFTHEEXECUTIVEENGINEERPMGSYDIVISIONREASI.F
RESHNOTICEINVITINGE-TENDERS1stCALL
E-NITNO-PMGSY/R/12OF2025-26DATED:-25/02/2026

Executive Engineer PMGSY Division Reasi for and on behalf of The UT of Jammu & Kashmir, invites e-tenders for for belowmentioned work (s) on %age Above/Excess (+) OR %age Below/ Less (-) basis (i.e. on Percentage-Rate Basis) from approved andeligible Contractors registered with J&K State Govt. CPWD, Railways or equivalent and other State Govts. As per the prescribedformatshownhereas under:-

S.No	NameofWork/PackageNo.	Name of thePIU	Advertised amount(InLacs)	Tenderfee(Rs.)	EarnestMoneyinshape ofFDR/CDR (In Lac)	TimeAllowed forcompletion	Call oftender	Class ofcontractor
1	Const. of 35 mtr. span Steel Truss Girder Motorable Bridge (Through Type) at RD 14950-15025 on road from T01-KAINTHGALI BLOCK BOUNDRY UDHAMPUR TO MALTI, Pkg. No JK14-575, Block Panchari, District Udhampur	Reasi	10.00	6000	0.20	60 Days	1st	A, B, C& D

2. Theimportantdatesand timeareasunder:-

1.	Dateofissueoftendernotice	25-02-2026
2.	Periodofdownloadingofbiddingdocuments	26-02-2026(6.55PM)to 05-03-2026(5.00PM)
3.	Datetimeandplaceofprebidmeeting	28-02-2026(12.00Noon)
4.	Bidsubmission startdate	26-02-2026(6.55PM)
5.	Bid submissionenddate	05-03-2026(5.00PM)
6.	Date&timeofopeningofTechnicalBids(Online)	07-03-2026(11.00AM)
7.	Date&timeofopeningofFinancialBids(Online)	TobenotifiedafterTechnicalBidevaluationis completed

3.

Positionoffunds	Available
Positionof AAA	Accorded
PositionofTS	Sanctioned

4. Cost of Bid Form @ Rs 6000 per package (non-refundable) only in form of e-challan.
5. Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid documents are available onlineand bids should be submitted online on websitewww.pmgsytendersjk.gov.in. The bidders are required toregister in the web-site which is free of cost. For submission of bids, the bidder is required to have valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorizedCertifyingAuthorities (CA).
"Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating ine-tendering in PMGSY may obtain the same from the website:www. pmgsytendersjk.gov.in Digital signature is mandatory to participate in the e-tendering. Bidders already possessing the valid digital signature issued from authorized C Ascanuse the same in this tender.
6. Bids must be uploaded along with Scanned copy of cost ofTender Document as mentioned incolumn 4 in shape of e-challan/treasurychallan/receipt favouring Executive Engineer PMGSY DivisionReasi by crediting the requisite charges to MH 0059-PWD (Revenue).
7. The original documents, when submitted by L1 for the cost of tender document should be same as uploaded online (scanned copies) otherwise the allotmentwill not be issued. The tenders will be cancelled and the bidder will not be allowed to Participateinany further/futuretenderingprocessinPMGSYfora periodof oneyear.
8.(a)TheBidding documents can be downloaded from the websitehttp://pmgsytendersjk.gov.infrom 06.55P.Mon26-02-2026to05-03-2026(5.00PM).
(b) The Bids shall be deposited in electronic format on the websitehttp://pmgsytendersjk.gov.infrom05.00PMon26-02-2026to05.00PMon05-03-2026.
(c) A Pre bid meeting will be held on 28-02-2026 at 12.00 Noonin the Office of The ExecutiveEngineer PMGSY Reasi to clarify the issues and to answer questions onany matter thatmaybe raisedat thatstage.
1.Thesite for theworkisavailable.
9. Only online submission of bids is permitted, therefore; bids must be submitted online onwebsite www.pmgsytendersjk.gov.in. The technical qualification part of the bids will be openedonline at 11.00 A.M on 07-03-2026or any other date convenient to the deptt. If the officehappens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened onlineon thenext working dayat thesame time.
The date and time ofopeningofFinancial-Bidsshallbe notifiedonWebSitehttp://pmgsytendersjk.gov.in. This is conveyed to the bidders automatically through an e-mailmessage on their e-mail address. The Financial-bids shall be opened accordingly on line on same Web Site at the OfficeofTheExecutiveEngineer PMGSY Division Reasi at minise cretariat Reasi.
10. The bids for the work shall remain valid for acceptance for a period not less than 120 daysafter the deadline dateforbid submission.
No-PMGSY/R/2025-26/4956-5025Dated- 25-02-2026

DIP/J-12095/25
Dtd:26-2-2026

Sd/-
ExecutiveEngineer
PMGSYDivision
Reasi

सुंदरबनी आईटीआई में विकसित भारत पर आईसीओपी कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 26 फ़रवरी (हि.स.)। राजौरी जिले के सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सुंदरबनी में वीरवार को केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) राजौरी द्वारा एक दिवसीय एकीकृत संचार एवं जनसंपर्क कार्यक्रम (आईसीओपी) का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में 'विकसित भारत गारंटी-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम', प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तथा राष्ट्रीय पशुधन मिशन सहित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त रामकेश शर्मा ने भारत सरकार की आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन से जुड़ी पहलों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्किल इंडिया, उज्ज्वला, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, सौभाग्य, हर घर जल, स्वच्छ भारत मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड, स्टैंड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया और मुद्रा लोन जैसी योजनाओं का उल्लेख किया।

आईटीआई सुंदरबनी के अधीक्षक इंजीनियर राजिंदर सिंह ने कौशल विकास योजना के उद्देश्यों और प्रशिक्षण, प्रमाणन तथा स्वरोजगार सहायता पर जानकारी दी। वहीं भेड़ पालन विभाग के सहायक पशु चिकित्सा सर्जन डॉ. दलवीर सिंह ने राष्ट्रीय पशुधन मिशन और विभागीय योजनाओं की पात्रता व सब्सिडी प्रावधानों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान, चित्रकला प्रतियोगिता, केंद्रीय योजनाओं पर ओपन क्विज, 'न्यू इंडिया समाचार' का वितरण तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं।

एचकेएम गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बांदीपोरा में जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद-2026 का आयोजन

श्रीनगर, 26 फ़रवरी (हि.स.)। जिला नोडल कॉलेज के रूप में नामित एचकेएम गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बांदीपोरा ने गुरुवार को जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद-2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया जिसने छात्रों को लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र से संबंधित समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न कॉलेजों, जिनमें जीडीसी हाजिन, जीडीसी सुंबल, जीडीसी अजास और मेजबान संस्थान शामिल हैं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विचार-विमर्श फ्रआपातकाल के 50 वर्ष- भारतीय लोकतंत्र के लिए सबकफ्र विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें युवा प्रतिभागियों को आपातकाल काल के ऐतिहासिक महत्व और लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने में इसकी प्रासंगिकता पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बांदीपोरा के विधायक निजाम उद्दीन भट, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए कॉलेज की सराहना की और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मंच जागरूक, जिम्मेदार और सतर्क नागरिकों को तैयार करने में सहायक होते हैं, जो राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान देने में सक्षम होते हैं इससे पहले, बांदीपोरा के एचकेएम जीडीसी के प्रधानाचार्य, प्रोफेसर सुरेश कुमार डोगरा ने अपने स्वागत भाषण में छात्रों में नेतृत्व क्षमता, आलोचनात्मक सोच और जागरूकता विकसित करने में युवा संसद के महत्व पर बल दिया और उन्हें लोकतांत्रिक चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

संपादकीय

संख्या झूठ नहीं बोलती

चाहे पहले उपराज्यपाल (एलजी) के प्रशासन वाली सरकार रही हो या वर्तमान में मुख्यमंत्री Omar Abdullah और स्वास्थ्य मंत्री Sakeena Itoo के नेतृत्व वाली सरकार—सत्ता में बैठे लोग अक्सर जम्मू-कश्मीर में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के दावे करते रहे हैं। लेकिन उसी सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए ताज़ा आंकड़े एक बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करते हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विभाग में 1000 से अधिक डॉक्टरों के पद खाली पड़े हैं, जिससे तथाकथित सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था की कहानी की पोल खुल गई है। इस मामले में आंकड़े खुद सरकारी दावों के खिलाफ खड़े हो गए हैं और उस बनावटी नैरेटिव को उजागर कर दिया है, जिसे आम जनता को सपने दिखाने के लिए गढ़ा गया था।

रिपोर्टों के अनुसार, 1000 से अधिक रिक्त पदों में से 797 पद कश्मीर संभाग में खाली हैं, जिनमें 24 वरिष्ठ सलाहकार, 253 सलाहकार, 458 चिकित्सा अधिकारी और 62 दंत शल्य चिकित्सक शामिल हैं। वहीं जम्मू संभाग में फरवरी 2026 तक 288 सलाहकारों के पद रिक्त हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार इन पदों को भरने में कोई विशेष तत्परता नहीं दिखा रही है, क्योंकि भर्ती प्रक्रिया बेहद धीमी गति से आगे बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि सरकार ने हाल ही में 480 चिकित्सा अधिकारियों के पदों को चयन हेतु जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग को संदर्भित किया है।

ये आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि हाल के वर्षों में सत्ता में रही सरकारों ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र—जनस्वास्थ्य—के प्रति अपेक्षित गंभीरता और जिम्मेदारी नहीं दिखाई। हर एक रिक्त पद का अर्थ है स्वास्थ्य सेवाओं में कमी, चाहे वह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हो, जिला अस्पताल हो या शहरी क्षेत्रों में विशेष चिकित्सा सुविधाएं। इससे केंद्र शासित प्रदेश में योजना, जवाबदेही और सुशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। अतीत में सत्ता में रही सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियां और वर्तमान में सरकार चला रही पार्टी—दोनों ही इस डॉक्टरों की कमी के लिए जवाबदेह हैं।

विभाग में पर्याप्त चिकित्सा पेशेवरों के बिना, जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य क्षेत्र की दयनीय स्थिति का अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। हालात ऐसे प्रतीत होते हैं मानो व्यवस्था बैसाखियों के सहारे चल रही हो। अब समय आ गया है कि सत्ता में बैठे लोग बड़े-बड़े दावे करना बंद करें और स्वास्थ्य विभाग की कमियों को दूर करने के लिए बिना किसी ढिलाई और लापरवाही के ठोस कदम उठाएं।

यह तर्क देने का कोई औचित्य नहीं है कि विभाग इतनी भारी कमी के बावजूद अपने कामकाज को संभाल रहा है, क्योंकि सच्चाई बिल्कुल स्पष्ट है—सब कुछ ठीक नहीं है। जरूरत है कमर कसने की, दक्षता सुनिश्चित करने की और जनता को इस बदहाल स्थिति से बाहर निकालने की।

सबसे विवादित राष्ट्रपति बनते दिखते ट्रम्प

फैसला आते ही कुछ देर में ट्रम्प ने प्रेस कांफ्रेंस की जिसमें फैसले की न केवल आलोचना की बल्कि विरोध में फैसला देने वाले खुद के नियुक्त जजों को जमकर कोसा, लताड़ा भी। कोर्ट पर मनमाने आरोप भी लगाए और कहा कि अदालत विदेशी हितों और ऐसे राजनीतिक आंदोलनों से प्रभावित है, जो लोगों की सोच से छोटे हैं। फैसले को अपने चुनाव परिणाम से जोड़ते हुए कहा कि मैं लाखों वोटों से जीता फिर भी धोखाधड़ी हुई नहीं तो अंतर और बढ़ता बावजूद इसके भारी मतों से जीता। उन्होंने यहां तक कहा कि जो लोग बुरे, अनजान और शोर मचाने वाले हैं, वो चिल्लाकर बोलते हैं। ऐसा लगता है कि कुछ जज इससे डर गए और सही काम नहीं करना चाहते। जस्टिस गोरसच और जस्टिस बैरेट जो ट्रम्प के द्वारा नियुक्त थे, ने भी खिलाफ में फैसला दिया जबकि ब्रेट कैवनॉघ ट्रंप द्वारा नियुक्त वो जज थे जिन्होंने पक्ष में फैसला सुनाया।

ऋतुपर्ण दवे

न्याय तो न्याय होता है फिर वो अपनों के लिए हो या गैरों के लिए। लेकिन ट्रम्प को यह भी नागवार गुजरा जब वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कानून की हद और जद में वो फैसला सुनाया, जो उनके खिलाफ था। दरअसल, अमरीका में सुप्रीम कोर्ट में अदालतों की नियुक्ति वहां के राष्ट्रपति करते हैं जो कि आजीवन या जबतक जज सक्षम, स्वस्थ और सक्रिय रहें तब तक के लिए होती है।

अमरीकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रम्प के पहले कार्यकाल के नियुक्त तीन जज थे जिनसे ट्रम्प पूरे भरोसे में थे और उन्हें अपनी जागीर समझ बैठे। फैसला उनके खिलाफ भला कैसे जाएगा? लेकिन वो ये भूल गए कि जजों ने न्याय करने की शपथ ली थी न ट्रम्प के हितों की रक्षा की। फैसला आते ही उन्होंने जिन शब्दों में सुप्रीम कोर्ट और खिलाफ फैसला देने वाले जजों पर आरोप लगाए वह निश्चित रूप से अमेरिका की पूरी न्याय प्रणाली पर कटाक्ष था जो बेहद निंदनीय है। इसी तरह हालिया भारत-पाक युध्द को रोकने को लेकर अनगिनत बार एकतरफा बोलने वाले ट्रम्प इस बार तो इतना कह गए यदि वो दोनों का परमाणु युध्द नहीं रुकवाते तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की हत्या हो जाती।

दुनिया भर में इस फैसले की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि वहां के सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से इसे असंवैधानिक करार दिया। इसमें ट्रम्प के नियुक्त जजों ने भी अहम भूमिका निभाई। 6-3 के बहुमत से ट्रम्प टैरिफ को असंवैधानिक करार देते हुए 1977 के आईईईपीए कानून यानी अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम(इण्टरनेशनल इमरजेंसी इकॉनामिक पॉवर ऐक्ट) का हवाला दिया। यह वो अमेरिकी कानून है जो राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान विदेशी खतरों से निपटने के लिए आर्थिक लेनदेन, आयात-निर्यात और संपत्ति को विनियमित करने का अधिकार देता है। जबकि अमरीका में ऐसी स्थिति नहीं है। बिना कांग्रेस की सहमति लिए जिद्दी ट्रम्प ने दुनिया भर में मनमाने टैरिफ ठोंक दिया, भारत भी अछूता नहीं रहा।

फैसला आते ही कुछ देर में ट्रम्प ने प्रेस कांफ्रेंस की जिसमें फैसले की न केवल आलोचना की बल्कि विरोध में फैसला देने वाले खुद के नियुक्त जजों को जमकर कोसा, लताड़ा भी। कोर्ट पर मनमाने आरोप भी लगाए और कहा कि अदालत विदेशी हितों और ऐसे राजनीतिक आंदोलनों से प्रभावित है, जो लोगों की सोच से छोटे हैं। फैसले को अपने चुनाव परिणाम से जोड़ते हुए कहा कि मैं लाखों वोटों से जीता फिर भी धोखाधड़ी हुई नहीं तो अंतर और बढ़ता बावजूद इसके भारी मतों से जीता। उन्होंने यहां तक कहा कि जो लोग बुरे, अनजान और शोर मचाने वाले हैं, वो चिल्लाकर बोलते हैं। ऐसा लगता है कि कुछ जज इससे डर गए और सही काम नहीं करना चाहते। जस्टिस गोरसच और जस्टिस बैरेट जो ट्रम्प के द्वारा नियुक्त थे, ने भी खिलाफ में फैसला दिया जबकि ब्रेट कैवनॉघ ट्रंप द्वारा नियुक्त वो जज थे जिन्होंने पक्ष में फैसला सुनाया। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा लिखे गए फैसले के कुछ घंटे बाद ट्रंप ने बौखलाहट भरी प्रतिक्रियाएं दीं कि टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद निराशाजनक है, कोर्ट के कुछ सदस्यों पर शर्म आ रही है जो देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं कर पाए। निश्चित रूप इससे ट्रम्प की साख गिरी है न कि अमरीकी सुप्रीम अदालत की।

मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के साथ बहुमत में न्यायाधीश नील गोरसच और एमी कोनी बैरेट भी शामिल थे। इनकी नियुक्ति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में की थी। सहमति जताने वालों में न्यायाधीश क्लेरेंस थामस, सैमुअल एलिटो और ब्रेट कैवना थे जिनमें कैवना को ट्रंप ने नियुक्त किया था। इन्होंने असहमति मत में लिखा कि वास्तव में टैरिफ आयात को नियंत्रित करने का पारंपरिक और सामान्य उपकरण है तथा आईईईपीए का पाठ, इतिहास तथा पूर्व की तमाम मिसालें प्रशासन के पक्ष का समर्थन करती हैं। जज कैवना ने चेतावनी दी कि इस निर्णय से चीन, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों पर अनिश्चितता पैदा हो सकती है। हालांकि फैसले में यह साफ नहीं है कि कंपनियों को उन अरबों डॉलर का रिफंड मिलेगा या नहीं, जो दिसंबर 2025 तक ही अमरीकी खजाने में करीब 133 अरब डॉलर से अधिक जमा हो चुके हैं। इनमें कुछ कंपनियां पहले ही निचली अदालतों में रिफंड का दावा पेश कर चुकी हैं।

निश्चित रूप से ट्रम्प की स्थिति बहुत मजाक वाली हो गई है। कहीं न कहीं वो हाशिए पर भी हैं। ट्रम्प की खिसियाहट इसी से समझ आती है कि एक तो उन्होंने अदालत को भला-बुरा कह कर दुनिया को चौंकाया और यहां तक कि उनके द्वारा नियुक्त विरोध में फैसले देने वाले न्यायाधीशों को देशद्रोही तक कह दिया।

लगता है कि ट्रम्प को न्याय में विश्वास नहीं है और देर-सबेर अमरीका में यह मांग भी उठेगी कि भारत सहित तमाम देशों की न्यायपालिका के समान निष्पक्ष व्यवस्था अमरीका में भी हो जिससे नियुक्त न्यायाधीश बिना किसी के दबाव में न्याय हित में काम कर सकें। हाँ, ट्रम्प का सुन्दर सपना टूट जरूर गया है लेकिन ट्रम्प और विवादों का चोली-दामन का रिश्ता कब क्या, कैसा कुछ नया कर दे, कोई नहीं जानता। फिलाहाल ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ लगाकर, जब चाहें तब बदलकर अपने ही देश की सर्वोच्च अदालत को एक तरह से चुनौती दे डाली। इससे पहले शांति के नोबल पुरस्कार न मिलने पर उनकी हरकतों को दुनिया ने देखा। यह सब उनके पद और गरिमा को देखकर अनुकूल नहीं था। लगता है वो अमेरिका के ऐसे राष्ट्रपति जरूर बनने की ओर हैं जो सबसे विवादित कहलाएंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

समझौता व्यापार संबंधों में विविधता लाने और अमेरिका और चीन पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को परिवर्तनकारी समझौता कहा है। वहीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से हर साल करीब 4 अरब यूरो (43 हजार करोड़ रुपये) के टैरिफ कम होंगे और लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए मौके बनेंगे। इस वक्त भारत और ईयू मिलकर वैश्विक जीडीपी का करीब 25 फीसद और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा अपने पास रखते हैं।

कहा जा रहा है कि यह समझौता व्यापार संबंधों में विविधता लाने और अमेरिका और चीन पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा, इससे हर साल ड्यूटी में चार अरब यूरो की बचत होगी। अब ये बचत वास्तव में कितनी सच होगी ये आनेवाला वक्त बताएगा, किंतु आज बड़ा सवाल है कि हम चीन की तुलना में ईयू को अपना सामान बेचने के लिए कितने तैयार हैं। इसके लिए जो कुशल ब्रेन चाहिए, क्या वह हमारे भारत में रुक पा रहे हैं

आंकड़ें आज बता रहे हैं कि पिछले एक वर्ष (2024-25) में भारत का ईयू के साथ व्यापार अधिशेष लगभग अमेरिकी डॉलर 15.2 बिलियन रहा। इसके हिसाब से संतुलन लाभ लगभग +11 फीसद से +13 फीसद अनुमानित है। जबकि चीन के ईयू के साथ व्यापार में बहुत बड़ा सरप्लस है- यूरोस्टाट के आंकड़ों के मुताबिक ईयू ने चीन को लगभग यूरो 513-व517 बिलियन का माल इंपोर्ट किया और लगभग यूरो 213 बिलियन का एक्सपोर्ट किया, जिससे लगभग यूरो 300+ बिलियन का ट्रेड डेफिसिट (यानी चीन को अधिशेष) रहा। इसे प्रतिशत में देखें तो लगभग +58 फीसद से +60 फीसद के आसपास चीन का बड़ी मात्रा में एक्सपोर्ट के कारण लाभ माना जा सकता है। तुलनात्मक रूप से एक वर्ष में यदि भारत का लाभ +12 फीसद है तो चीन हमसे कई गुना आगे है, उसका लाभ +58 फीसद पर है।

ग्वालियर के रहने वाले दो भाइयों की कहानी हमारे सामने है, सनू और मनू। मनू ने पढ़ाई पूरी की और वो आज सैन फ्रांसिस्को में गूगल के साथ है। आने वाले समय में हो सकता है, वो हमेशा के लिए वहीं बस जाए! उसका छोटा भाई सनू जिसका हाल ही में इसरो से जुड़े अध्ययन संस्थान में चयन हुआ, किंतु उसने वहां जाना उचित नहीं समझा। घरवालों ने लाख समझाया, मां तो इस बात से दुखी है, बेटा सुन नही रहा। भविष्य में इसरो का वैज्ञानिक बनता बेटा, कितने गर्व की बात होती! किंतु दूसरी ओर सिस्टम का नकारापन और व्यवस्था का दोष भारत की युवा पीढ़ी के सिर चढ़कर बोल रहा है!

हर साल देश छोड़कर जानेवाली तमाम प्रतिभाओं की तरह उसका भी कहना है कि भारत में योग्यता के साथ न्याय नहीं होता, किसी और का नहीं अपने परिवार में मैं ऐसे कई उदाहरण देख चुका हूं। इसलिए मैं भी विदेश ही जाऊंगा, जहां व्यक्ति का चयन उसकी योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होता है! निशचित ही मनू जैसे भारत छोड़ चुके और सनू जैसे युवा जो भारत छोड़ने के लिए तैयार बैठे हैं, इन तमाम प्रतिभाओं के पलायन के आंकड़े आज हमें डरा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के आँकड़े बताते हैं कि 2020 में 85 से 94 हजार भारतीयों ने विदेशों में नागरिकता या दीर्घकालिक रेजिडेंसी ली थी, तीन साल बाद 2023 तक यह संख्या बढ़कर लगभग 3.98 लाख हो गई। 2024 में 19 नवम्बर तक ही यह आंकड़ा 3.48 लाख पार करता दिखा। 2024 में 2.06 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी, जो भले ही 2023 के 2.16 लाख से थोड़ा कम है, किंतु दो लाख से ऊपर बने रहना इस संकट की गंभीरता को दिखाता है। पिछले 14 वर्षों में 20 लाख से अधिक भारतीय स्थायी रूप से विदेश बस चुके हैं और इनमें से अधिकांश उच्च-शिक्षित तथा कुशल पेशेवर हैं।

नीति आयोग की दिसंबर 2025 की रिपोर्ट इस तस्वीर को और साफ करती है। इसके अनुसार भारत से हर एक विदेशी छात्र के आने के मुकाबले 25 भारतीय छात्र विदेश पढ़ने जाते हैं। 2024 में 13.36 लाख भारतीय छात्र विदेश गए, जबकि भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या नगण्य रही। यह असंतुलन बताता है कि भारत वैश्विक शिक्षा और शोध का केंद्र बनने के बजाय प्रतिभा निर्यातक देश बन गया है।

आईआईटी के टॉप 1000 रैंकर्स में से कम से कम एक-तिहाई आगे चलकर विदेश चले जाते हैं। 67 प्रतिशत उच्च-योग्य प्रोफेसर भारत के बजाय विदेश में नौकरी को अधिक महत्व देते हैं। पी-एचडी के बाद पोस्ट-डॉक के लिए अमेरिका और यूरोप जाने वाले युवा वैज्ञानिक अक्सर वहीं स्थायी नागरिक बन जाते हैं। उनकी लैब, उनकी खोजें और उनके स्टार्टअप स्पिन-ऑफ भारत के स्थान पर विदेशों में जन्म लेते हैं। रही सही कसर नीट-पीजी में मिस्टर माइनस 40 को भी योग्य मानेजाने वाले हमारे सिस्टम ने पूरी कर दी है! ऐसे में यही कहना होगा कि यह सिर्फ ब्रेन ड्रेन नहीं, बल्कि नॉलेज ड्रेन है।

भारत की शिक्षा-प्रणाली से निकले कई लोग आज वैश्विक सत्ता और अर्थव्यवस्था के शीर्ष पर हैं। जिसमें कि सुंदर पिचाई, सत्या नडेला, शांतनु नारायण, अरविंद कृष्णा, अजय बंगा जैसे कई नाम गिनाए जा सकते हैं, ये सभी कायदे से भारत की ताकत बनना चाहिए किंतु आज इनकी रिसर्च, पेटेंट, टैक्स और रोजगार सृजन का लाभ भारत के बजाय अमेरिका और अन्य विकसित देशों उठा रहे है। भारत ने दिमाग तैयार किए, लेकिन उनसे पैदा होने वाली समृद्धि दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही है।

मीटस्ट्रीम.एआई के को-फाउंडर और डायरेक्टर सिद्धार्थ शिवसुब्रमण्यम का कहना है कि अमेरिका में चीजे बहुत तेज चलती हैं, निवेशक और ग्राहक जल्दी फैसले लेते हैं और इससे कंपनी की ग्रोथ की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। भारत से प्रतिभा पलायन की असल वजह इकोसिस्टम की कमी और तेजी से आगे बढ़ने की चाह है।

सिद्धार्थ की तरह भारत की आंतरिक स्थतियों को लेकर जब युवा और पेशेवर अपने अनुभव साझा करते हैं, तो एक जैसी समस्याओं का ही जिक्र करते हैं। भ्रष्टाचार, धीमी और जटिल नौकरशाही, प्रदूषण, ट्रैफिक, असुरक्षित भोजन और हवा, ओवरवर्क कल्चर और सम्मान की कमी। कई लोग यह भी कहते हैं कि वे सिर्फ ज्यादा सेलरी नहीं, सामान्य और सुरक्षित जीवन की चाह रखते हैं। उनके लिए महिलाओं की सुरक्षा, बेहतर हेल्थकेयर और साफ वातावरण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना करियर।

आज भारत हर साल 35 से 50 अरब डॉलर की उत्पादकता खो रहा है। एआई और इनोवेशन में पेटेंट और रिसर्च बाहर जा रही हैं। भारत का डेमोग्राफिक डिविडेंड, जिसे उसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता है, धीरे-धीरे बर्बाद हो रहा है। इसलिए सामाजिक असमानता भी बढ़ रही है। ऐसे में चिंता यही है कि हमारा सिस्टम अपने आप को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए कितना तैयार कर रहा है निशचित ही यूरोपीय संघ से भारत का सौदा छप्पर-फाड़ अवसर है।

ताज महोत्सव : संस्कृति का विराट उत्सव

ताज महोत्सव (18 से 27 फरवरी) पर विशेष

– योगेश कुमार गोयल

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम उत्सव बन जाता है।

उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविधता वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरम- परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है।

सन् 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा।

इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो।ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है।

यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं।

कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं।

इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं।

भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है।

इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है। हजारों की संख्या में आने वाले विदेशी पर्यटक जब भारतीय परिधानों को पहनकर, यहां की हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के बीच समय बिताते हैं तो वे अपने साथ भारत की एक सुखद और गौरवशाली छवि लेकर स्वदेश लौटते हैं।

आगरा स्वयं भी इतिहास और स्थापत्य का एक अनूठा संगम है। महाभारत काल में 'अग्रवन' के रूप में वर्णित यह नगर, जिसे कभी सिकंदर लोदी ने बसाया और बाद में मुगल सम्राटों अकबर, जहांगीर तथा शाहजहां ने अपनी राजधानी बनाकर विश्वपटल पर चमक दी, आज भी अपनी ऐतिहासिकता को संजोए हुए है।

इसी गौरवशाली अतीत की पृष्ठभूमि के कारण ताज महोत्सव का महत्व और भी गहन हो जाता है। प्रेम, कला और इतिहास के इस त्रिवेणी संगम में जब आधुनिक मंच-सज्जा, डिजिटल तकनीक और लेजर शो का समावेश होता है, तब परंपरा और आधुनिकता का वह अद्भुत सामंजस्य दृष्टिगोचर होता है, जिसे दुनिया आज का भारत कहती है। महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है।

ताज महोत्सव की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि यह अमूर्त भारतीयता की भावना को एक मूर्त उत्सव में रूपांतरित कर देता है। यहां रखा हस्तशिल्प का हर एक नमूना अपनी मिट्टी की कहानी कहता है, कलाकारों की हर प्रस्तुति एक प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित करती है और हर व्यंजन एक क्षेत्रीय पहचान को सहेजता है। यह आयोजन इस महान सत्य का जयघोष है कि भारत केवल विविधताओं का देश नहीं है बल्कि उन तमाम भिन्नताओं को एक ही सूत्र में पिरोने की एक अद्भुत और अदम्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। जब ताजमहल की श्वेत आभा सूर्यास्त की सुनहरी किरणों में घुलती है और पृष्ठभूमि में किसी शास्त्रीय राग की अंतिम तान गूंजती है, तब ताज महोत्सव केवल एक दस दिवसीय कार्यक्रम मात्र नहीं रह जाता बल्कि भारतीय संस्कृति का एक ऐसा जीवंत और प्राणवान उत्सव बन जाता है, जहां इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और परंपराएं आधुनिकता का हाथ थामकर भविष्य की सुनहरी राह पर चल पड़ती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एफआईएच प्रो लीगः भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में 3-1 से हराया

एजेंसी

होबार्ट। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने नियमित समय में 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से पराजित कर बोनस अंक हासिल किया और एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण का सकारात्मक समापन किया। भारतीय टीम के लिए शिलानंद लाकड़ा (51वां मिनट) ने गोल किया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान जेरेमी हेवर्ड (49वां मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर बढ़त दिलाई। शूटआउट में शिलानंद लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने अपने प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। युवा गोलकीपर मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार ने तीन निर्णायक बचाव कर भारत को जीत दिलाई। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने मजबूती दिखाई और जवाबी आक्रमण किए। शुरुआती मिनटों में मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार ने दो महत्वपूर्ण बचाव किए। 11वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, पर अमनदीप लाकड़ा का ड्रैग फ्लिक पहले रक्षक से टकरा गया। इसके बाद अभिषेक का प्रयास मामूली अंतर से गोल से बाहर चला गया।

एनआरएआई ने अब तक का सबसे बड़ा राष्ट्रीय जजेज प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में आज अपना अब तक का सबसे बड़ा राष्ट्रीय जजेज प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया। 21 फरवरी को शुरू हुए इस प्रशिक्षण में देश के विभिन्न भागों से 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो शैक्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन के नियमों, निशानेबाजी परिसर के संचालन, अंक निर्धारण प्रक्रिया तथा निष्पक्ष और नैतिक निर्णायक आचरण से संबंधित विषयों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण प्रमाणित प्रशिक्षकों तथा अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ 'ए' श्रेणी के निर्णायक प्रमाणपत्र धारक धीरज कुमार सिंह और अरुण वारसी ने दिया। कार्यक्रम में सैद्धांतिक कक्षाएं, व्यावहारिक अभ्यास और मूल्यांकन सम्मिलित रहे, जिससे प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में निर्णायक दायित्व निभाने के लिए तैयार किया जा सके। महासचिव पवन कुमार सिंह ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा, 'यह पहल भारतीय निशानेबाजी को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा दिलाने में सहायक होगी।'

आईआईएस दंगल चैंपियनशिप का शानदार अंदाज में समापन, निशु और यश का रहा जलवा

हिसार (हरियाणा)। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) दंगल चैंपियनशिप 2026 का समापन शानदार अंदाज में हुआ, जहां अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता निशु और यश ने अपने-अपने भार वर्गों में खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं। आईआईएस द्वारा पारले-जी के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में रिकॉर्ड 300 से अधिक प्रविष्टियां मिलीं, जबकि करीब 240 पहलवानों ने नौ भार वर्गों में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन शहीद मदन लाल धींगरा बहुउद्देशीय हॉल, गिरी सेंटर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में किया गया।53 किलोग्राम वर्ग की पहलवान निशु, जिन्होंने हाल ही में सर्बिया के नोवी साद में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आईं और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं 74 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे यश ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। निशु को 31,000 रुपये और यश को 51,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

पीएसजी ने मोनाको को हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) ने यूईएफए चैंपियंस लीग प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ अंतिम-16 में जगह बना ली। पेरिस के घरेलू मैदान पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले ने रोमांच आखिरी मिनट तक बना रखा। पहले हाफ में मोनाको ने आक्रामक शुरुआत की और हाफ-टाइम से ठीक पहले मैग्नेस अक्लिउचे के शानदार गोल से बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में मैच का रुख तब बदला जब मोनाको के मामादौ कूलिबाली को दूसरी बार पीला कार्ड मिलने के बाद मैदान छोड़ना पड़ा। दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही मेहमान टीम पर दबाव बढ़ गया। इसके बाद पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल कर बराबरी दिलाई। कुछ ही मिनटों में ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने रिबाउंड पर गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, सब्स्टीट्यूट जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को फिर रोमांचक बना दिया। अंततः पीएसजी ने बढ़त बचाए रखते हुए अगले दौर में प्रवेश कर लिया। पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, 'हम क्वालीफाई करने के लायक थे, लेकिन हमें पूरे समय परेशानी झेलनी पड़ी। अगर कोई एक टीम है जिसे मुश्किलों का सामना करने की आदत है, तो वह हम हैं। हमारा ग्रुप सबसे खराब था।

रणजी ट्रॉफी फाइनल : जम्मू-कश्मीर 584 रन पर ऑलआउट, कर्नाटक के सामने बड़ी चुनौती

एजेंसी

हुब्बली। राज्य के हुब्बली स्थित केएससीए स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी फाइनल मुकाबले में जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम ने तीसरे दिन पहली पारी में 584 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। कर्नाटक के सामने जीतने के लिए बड़ा लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जम्मू कश्मीर की टीम ने ठोस प्रदर्शन किया। ओपनर यावर हसन ने 88 रन की उपयोगी पारी खेली। तीसरे नंबर पर उतरे शुभम पुंडीर ने शानदार 121 रन बनाकर पारी को मजबूती दी। कप्तान परस डोगरा ने 70 रन का योगदान दिया, जबकि अब्दुल समद ने 61 रन जोड़े। विकेटकीपर बल्लेबाज कनहैया वाधवन ने 70 रन बनाए और साहिल लोटरा ने 78 रन की अहम पारी खेली। इस तरह जम्मू-कश्मीर की पूरी टीम 584 रन पर ऑलआउट हो गई। कर्नाटक की ओर से तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 34.1 ओवर में 98 रन देकर 5 विकेट झटके। हालांकि अन्य गेंदबाजों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी, जिससे विरोधी टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। जम्मू-कश्मीर की पारी समाप्त होने के बाद कर्नाटक क्रिकेट टीम ने अपनी पहली पारी शुरू कर दी है। मुकाबले का तीसरा दिन जारी है। कर्नाटक के लिए पहली पारी में बढ़त हासिल करना जरूरी है।

नियमों के अनुसार यदि फाइनल मुकाबला ड्रॉ रहता है तो पहली पारी में बढ़त लेने वाली टीम को चैंपियन घोषित किया जाएगा। ऐसे में कर्नाटक को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए 585 रन तक पहुंचना या उससे आगे निकलना अनिवार्य होगा। अगर कर्नाटक पहली पारी में पिछड़ता है तो जम्मू-कश्मीर ड्रॉ के जरिए पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम कर सकता है। मुकाबले के अगले दो दिन निर्णायक साबित होंगे।

एजी हरियाणा ने एजी हिमाचल को हराकर चैम्पियनशिप पर किया कब्जा

एजेंसी

प्रयागराज। एजीयूपी की पारसा नकवी और नेहा वर्मा की जोड़ी ने उत्तर क्षेत्रीय भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा बैडमिंटन प्रतियोगिता में महिला युगल के फाइनल में जगह बना ली। वहीं पीएजी ऑडिट हरियाणा ने एजी हिमाचल को 3-0 से हराकर टीम चैम्पियनशिप के खिताब पर कब्जा जमा लिया। प्रतियोगिता के समन्वयक कल्याण अधिकारी लोकेश त्रिपाठी के अनुसार अमिताभ बच्चन क्रीड़ा संकुल (मेयोहाल) में बुधवार को खेले गए महिला युगल के पहले सेमीफाइनल में पारसा नकवी और नेहा वर्मा (एजीयूपी) की जोड़ी ने दमन प्रीत कौर (पंजाब) और सरुनी शर्मा (पीएजी उत्तराखंड) की जोड़ी को 21-15, 18-21, 21-19 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में कीर्ति चतुर्वेदी (दिल्ली ऑडिट) व नजमा खान (हरियाणा) की जोड़ी ने आशा गौर (यूपी) व ज्योति रावत (पंजाब) को 21-16, 21-10 से हराया।

पुरुष टीम चैम्पियनशिप के खिताबी मुकाबले में प्रथम एकल में रवि ने कार्तिक जिंदल को 21-8, 21-15 से, द्वितीय एकल में गुरबख्श ने विजय धोतिया को 21-11, 21-19 से और युगल में सुमित शर्मा व आनंद तिवारी की जोड़ी ने विजय धोतिया व उदय राजन की जोड़ी को 21-11, 21-8 से पराजित कर टीम चैम्पियनशिप का खिताब जीता। मिश्रित युगल के पहले सेमीफाइनल में कशिश (पंजाब) व नीला वी (हरियाणा) की जोड़ी ने सुमित शर्मा (हरियाणा) व पारसा नकवी (यूपी) को 21-19, 30-29 से हराया।

मनुष-मानव की जोड़ी सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में पहुंची, रचा इतिहास

एजेंसी

सिंगापुर। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनुष शाह और मानव ठक्कर की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वे विश्व टेबल टेनिस के ग्रैंड स्मैश स्तर की प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बन गए हैं।

छठी वरीयता प्राप्त मनुष-मानव की जोड़ी ने बेल्जियम के मार्टिन एलेग्रो और एड्रियन रासेनफॉसे को सीधे गेमों में 3-0 (11-8, 11-9, 11-9) से पराजित किया। यह मुकाबला 27 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी ने बेल्जियम की इस जोड़ी के खिलाफ अपना आमना-सामना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। उल्लेखनीय है कि बेल्जियम की जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर जगह बनाई थी।

सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला फ्रांस के चौथी वरीयता प्राप्त सगे भाई फेलिक्स लेब्रून और एलेक्सिस लेब्रून से शुक्रवार को होगा। इससे पहले दिन में मिश्रित युगल वर्ग में मनुष शाह और दिया चिताले की छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सफर क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें ब्राजील के तीसरी वरीयता प्राप्त ह्यूगो काल्डेरानो और ब्रूना ताकाहाशी की जोड़ी ने 3-0 (11-6, 11-9, 11-5) से पराजित किया।

विश्व कप से बाहर होने के बाद श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने दीर्घकालिक बदलाव की मांग की

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम में व्यापक और दीर्घकालिक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। शनाका ने कहा कि यदि टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार मजबूत प्रदर्शन करना है तो शारीरिक तैयारी और लंबी अवधि की योजना पर गंभीरता से काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'देश के लिए खेलते समय शारीरिक फिटनेस पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। चोटों के कारण हमें मनचाहा परिणाम नहीं मिल पा रहा है। सभी जानते हैं कि वानिंदु हसरंगा कितने महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, और मथीशा पथिराना तथा ईशान मलिंगा टीम के लिए कितने अहम हैं। जब ये खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होते तो टीम पर असर पड़ता है। यह बहाना नहीं है, लेकिन अधिकतर चोटें शारीरिक तैयारी से जुड़ी हैं।' शनाका ने कहा कि पिछले कई विश्व कप में भी चोटें प्रमुख चर्चा का विषय रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने पिछले पांच विश्व कप खेले हैं। लगभग हर बार यही सवाल उठा कि चोटों से बेहतर तरीके से कैसे निपटा जाए।' कप्तान ने माना कि समस्या केवल फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि योजना और दिशा की स्पष्टता भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'यदि हम विश्व कप की तैयारी करते हैं तो वह लंबी अवधि की होनी चाहिए। इतने बड़े टूर्नामेंट को छोटे लक्ष्य के साथ नहीं खेला जा सकता।' अपनी कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि यह निर्णय चयनकर्ताओं और श्रीलंका क्रिकेट के हाथ में है। उन्होंने कहा, 'मैं खुश हूं कि मुझे इतने समय तक टीम की अगुवाई का अवसर मिला। मैंने अच्छे फैसले भी लिए और गलतियां भी कीं, लेकिन विश्व कप में कप्तानी करना मेरे लिए गर्व की बात है।' शनाका ने कहा कि टीम का चयन बेहतर बल्लेबाजी वाली पिचों की उम्मीद में किया गया था, विशेषकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम को ध्यान में रखते हुए। उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट से पहले मुझे उम्मीद थी कि विकेट बल्लेबाजी के अनुकूल होंगे। हमने घरेलू क्रिकेट से अच्छे प्रहार दर वाले खिलाड़ियों को चुना, लेकिन परिस्थितियां उम्मीद के अनुसार नहीं रहीं।'

उन्होंने स्वीकार किया कि श्रीलंका में लंबे प्रहार करने की कमी है, लेकिन यहां की पिचों पर हालात के अनुसार खेलना अधिक जरूरी है। उन्होंने कहा, 'आज जैसी पिच पर लंबे प्रहार से अधिक उल्टा स्वीप और सामान्य स्वीप कारगर होते हैं। कामिंदु मेंडिस ने कठिन समय में इन शॉट्स का अच्छा उपयोग किया। दुनिथ वेलालगे ने भी ऐसा ही किया। हमें अपनी परिस्थितियों के अनुसार टीम संयोजन करना होगा।

न्यूजीलैंड की दमदार जीत, श्रीलंका टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

एजेंसी

कोलंबो। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए अहम मुकाबले में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 61 रनों से हराकर उसके टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सफर पर विराम लगा दिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा, जबकि सह-मेजबान श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 168 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम निर्धारित ओवरों में 107 रन ही बना सकी और 61 रनों से मुकाबला हार गई।

श्रीलंका का टूटा घरेलू सपनाःभारत के साथ इस टी20 वर्ल्ड कप का सह-मेजबान श्रीलंका घरेलू सरजमीं पर खिताब जीतने का सपना देख रहा था, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ हार ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बल्लेबाजी में कामिंदु मेंडिस और दुनिथ वेल्लालागे को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, जिससे टीम दबाव से उबर नहीं पाई। पारी की पहली ही गेंद पर श्रीलंका को बड़ा झटका लगा, जब मैट हेनरी ने पथुम निसांका को क्लीन बोल्ड कर दिया। लगातार रन बना रहे निसांका का विकेट मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

न्यूजीलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही थी और 84 रन तक उसने 6 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में मिचेल सेंटनर ने 26 गेंदों में 47 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्होंने कोल मैककॉन्ची के साथ 84 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को 168 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। सैंटनर की इस पारी ने न्यूजीलैंड को मैच में मजबूती से वापस ला खड़ा किया।

रचिन रवींद्र का ऑलराउंड कमाल

गेंदबाजी में रचिन रवींद्र ने श्रीलंका की कमर तोड़ दी। उन्होंने 4 ओवरों में 27 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उन्होंने कुसल मेंडिस, पवन रत्नायके, कप्तान दासुन शनाका और दुशन हेमंता को पवेलियन भेजा। इससे पहले रवींद्र ने बल्ले से भी 32 रनों का अहम योगदान दिया था।

न्यूजीलैंड की इस हरफनमौला जीत ने टूर्नामेंट में रोमांच बढ़ा दिया है। जहां एक ओर श्रीलंका का सफर समाप्त हो गया, वहीं न्यूजीलैंड अब सेमीफाइनल की दौड़ में मजबूती से बना हुआ है।

72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिपः दूसरे दिन हरियाणा, यूपी, दिल्ली और तमिलनाडु की धमाकेदार जीत

एजेंसी

वडोदरा। वडोदरा के समा इंडोर कॉम्प्लेक्स में चल रही 72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन रोमांचक और एकतरफा मुकाबलों का शानदार मिश्रण देखने को मिला। पूल चरण में नॉकआउट की दौड़ तेज हो गई है और हर अंक अब अहम साबित हो रहा है।

पूल ए के सबसे करीबी मुकाबले में आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना को 47-45 से हराया। पोटला गोपी चंद (17 अंक) और गली लक्ष्मा रेड्डी (10 अंक) ने जीत में अहम भूमिका निभाई, जबकि तेलंगाना के जी राजू ने 20 अंक जुटाए। इसी पूल में हरियाणा ने तेलंगाना को 49-18 से एकतरफा अंदाज में हराया। नीरज नरवाल ने 11 अंक, नितिन कुमार ने 9 अंक बनाए, जबकि सुरजीत सिंह और नितेश कुमार ने 4-4 टैकल अंक लेकर रक्षा मजबूत की।

पूल बी में मध्य प्रदेश ने गोवा को 35-34 से रोमांचक मुकाबले में हराया। भवानी राजपूत (14 अंक) और उदय परते (9 अंक) ने अहम योगदान दिया।

तमिलनाडु ने विदर्भ को 40-21 से हराकर अपना मजबूत अभियान जारी रखा। सतीश कन्नन ने 8 अंक बनाए, जबकि दीपक एस ने 8 टैकल अंक लेकर रक्षा की कमान संभाली।

हिमाचल प्रदेश ने गुजरात को 51-34 से 17 अंकों के अंतर से हराया। अनिल ने 14 अंक जुटाए, जबकि पप्पू कमल कुमार और मयंक सैनी ने बढ़िया साथ दिया।

उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 70-33 से हराकर टूर्नामेंट की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की। उदय डबास ने 25 अंकों का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सौरभ ने 12 अंक जोड़े।

भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम से खेला ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने बुधवार, रात स्वीडन के लिडिंगो स्थित बोसोन नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए अभ्यास मैच में स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। भारत की ओर से सिबानी देवी नोंगमेइकापाम ने 44वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में 88वें मिनट पर एन्स्केडे ने बराबरी का गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। भारत अंडर-20 टीम के मुख्य कोच योआकिम अलेक्जेंडरसन ने पिछले मैच की तुलना में शुरुआती एकादश में आठ बदलाव किए। भारतीय टीम ने अपने पिछले

मुकाबले में टैबी एफके को 4-0 से हराया था, जबकि उससे पहले हामरबी आईएफ के खिलाफ उसे 0-6 से हार का सामना करना पड़ा था। यंग टाइग्रेस अब 28 फरवरी को स्वीडन के क्लब कार्लबर्ग्स बीके के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगी। यह दौरा इस वर्ष थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप की तैयारियों का हिस्सा है।

भारत अंडर-20 महिला टीमः मोनालिशा देवी मोइरांगथेम (गोलकीपर), निशिमा कुमारी (रेमी थोखचोम 60वें मिनट), थोइनबिसाना चानू तोइजाम, सिंडी रेमरुआतपुई कोलनी, शुभांगी सिंह, पूजा, अंजू चानू कायेन्पैबाम (भूमिका देवी खुमुकचाम 60वें मिनट), लिंगदेकिम, सुलंजना राउल, सिबानी देवी नोंगमेइकापाम (नेहा 60वें मिनट), बबीता कुमारी (दीपिका पाल 46वें मिनट, शिल्जी शाजी 88वें मिनट)।

भारत बधिर क्रिकेट टीम ने जीता पहला एडीसीए टी20आई एशिया कप, फाइनल में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। कटक के ऐतिहासिक बाराबती स्टेडियम में खेले गए पहले एडीसीए टी20आई एशिया कप 2026 का समापन बुधवार को हुआ, जहां भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका की टीम को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया।यह टूर्नामेंट भारतीय बधिर क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसे ओडिशा की राज्य क्रिकेट इकाइयों का सहयोग मिला। यह एशिया कप का पहला संस्करण था और इसे बधिर क्रिकेट के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। फाइनल के बाद आयोजित भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि कटक के जिलाधिकारी एवं कलेक्टर दत्तात्रय भाऊसाहेब शिंदे और विशेष अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर संजय राउल ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट की जीत से की। इसके बाद नेपाल पर 10 विकेट की एकतरफा जीत दर्ज की। लीग चरण में श्रीलंका ने भी नेपाल को 6 विकेट से हराया, जबकि रिवर्स मुकाबले में नेपाल पर 157 रन की बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में 1 रन से जीत हासिल की और नेपाल पर 9 विकेट से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की की।

फाइनल में भारत ने संयमित और आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर ऐतिहासिक ट्रॉफी जीत ली। इस जीत के साथ भारत ने न केवल पहला एडीसीए टी20आई एशिया कप खिताब अपने नाम किया, बल्कि एशियाई बधिर क्रिकेट में अपनी मजबूत स्थिति भी साबित की।

सैंटनर जैसा कप्तान आपको अभेद्य महसूस कराता है, श्रीलंका पर जीत के बाद बोले रचिन

एजेंसी

कोलंबो : न्यूजीलैंड के आलराउंडर रचिन रविंद्र ने अपने कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अपने साथी खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह हैं और उन्हें दमदार महसूस कराने का तरीका ढूंढ लेते हैं। रविंद्र ने इस मैच में 32 रन बनाए और 19 रन देकर चार विकेट भी लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कप्तान सैंटनर की 26 गेंदों पर खेली गई 47 रन की पारी से न्यूजीलैंड 84 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद सात विकेट पर 168 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में श्रीलंका आठ विकेट पर 107 रन ही बना सका। रविंद्र ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम सभी जानते हैं कि सैंटनर कितने शांत स्वभाव के हैं, लेकिन उनका सोचने का तरीका भी कमाल का है, जैसे कि किस छोर से कौन सी गेंद फेंकनी है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं।' उन्होंने कहा, 'वह हमेशा आपके साथ खड़े रहते हैं और आपका हौसला बढ़ाते हैं। मुझे लगता है कि उनके जैसा कप्तान होना टीम के लिए बहुत अच्छा है। उनके नेतृत्व में मैदान पर उतरते ही आपको ऐसा अहसास होता है जैसे आप 10 फीट लंबे हों और आप अभेद्य महसूस करते हैं। टीम में उनकी मौजूदगी से बहुत फायदा मिलता है।' यह केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपमहाद्वीप की पिचों पर गेंदबाजी करने का सैंटनर का अनुभव भी स्पिन गेंदबाजी इकाई के लिए मददगार साबित होता है।

पिता को खोया, चोट से लड़ी, परिवार का सहारा बनीं, ब्यूटी डुंगडुंग की प्रेरक और संघर्षपूर्ण है कहानी

एजेंसी

नई दिल्ली। महज 22 वर्ष की उम्र में भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड ब्यूटी डुंगडुंग अपने कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी उठाए हुए हैं। इस समय वह बेंगलुरु में भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय शिविर में पसीना बहा रही हैं, लेकिन मैदान पर वापसी उनके जीवन की सबसे कठिन लड़ाई रही है। साल 2023 में घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें लगभग दो वर्षों तक पुनर्वास से गुजरना पड़ा। इस दौरान वह लगातार यह सोचती रहीं कि क्या वह दोबारा भारत के लिए खेल पाएंगी। लेकिन मैदान की शारीरिक पीड़ा से भी बड़ा दुख उन्हें निजी जीवन में झेलना पड़ा—चोट के दौरान ही उनके पिता का निधन हो गया। ब्यूटी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'चोट के समय ही मेरे पिता का देहांत हो गया। मैं घर और शिविर के बीच लगातार आ-जा रही थी। एक साथ बहुत कुछ हो रहा था। कई बार लगा कि शायद अब वापसी नहीं हो पाएगी।'

झारखंड के एक छोटे से गांव में पली-बढ़ीं ब्यूटी के लिए उनके पिता ही सबसे बड़े प्रेरणास्रोत थे। आर्थिक तंगी के बीच जब वह केवल पांच वर्ष की थीं, तब उनके पिता ने बांस से उनकी पहली हॉकी स्टिक बनाई थी, क्योंकि असली स्टिक खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। बाद में उन्होंने बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए दूसरे राज्यों में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम भी किया। वह भावुक होकर कहती हैं, 'जब पापा थे तो बहुत सहारा था। अब सब कुछ मुझे खुद संभालना है।' आज ब्यूटी अपने परिवार की मुख्य आधार हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी में नौकरी के माध्यम से वह पूरे परिवार का खर्च उठाती हैं। अपने भाई के परिवार की मदद करने के साथ-साथ भतीजी और भतीजों की पढ़ाई का

खर्च भी वहन करती हैं। उनकी मां आंशिक रूप से लकवाग्रस्त हैं और स्मृति कमजोर हो चुकी है, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। ब्यूटी कहती हैं, 'कभी-कभी तनाव हो जाता है। मां चीजें भूल जाती हैं और बार-बार पूछती हैं कि मैं घर कब आऊंगी। जब मैं बाहर रहती हूं तो मन उन्हीं के पास रहता है।' अंतरराष्ट्रीय हॉकी के दबाव और घर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है, लेकिन ब्यूटी हार मानने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है, 'अगर ज्यादा सोचूंगी तो खुद ही परेशान हो जाऊंगी। इसलिए पूरा ध्यान खेल पर लगाती हूं। अच्छा लगता है कि मैं अपने परिवार की आर्थिक मदद कर पा रही हूं।' जब भावनात्मक बोझ बढ़ जाता है, तो वह अपनी टीम के साथियों का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मैच से पहले मन ठीक नहीं होता तो मैं साथियों से खुलकर कहती हूं कि आज मेरा मन भारी है, मुझे प्रेरित करें। टीम हमेशा मेरा साथ देती है,' लंबे संघर्ष के बाद ब्यूटी ने फिर से लय हासिल करनी शुरू कर दी है। वह एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और हाल ही में आयोजित हॉकी इंडिया लीग में भी खेल चुकी हैं। अब वह हैदराबाद, तेलंगाना में होने वाले वर्ष 2026 के एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय शिविर में कड़ी मेहनत कर रही हैं। अपनी तेज दौड़ और गेंद प्राप्त करने की क्षमता के लिए पहचानी जाने वाली ब्यूटी स्ट्राइकिंग सर्कल में आत्मविश्वास दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रही हैं।ब्यूटी डुंगडुंग अब केवल खेल के लिए नहीं खेलतीं। हर बार जब वह हॉकी स्टिक थामती हैं, तो उसमें उनकी मां की देखभाल, परिवार का भविष्य और उस पिता की याद जुड़ी होती है, जिन्होंने बांस से उनकी पहली स्टिक बनाकर उनके सपनों को आकार दिया था।

खाद्य सब्सिडी वितरण पायलट परियोजना पुडुचेरी में होगी लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित खाद्य सब्सिडी वितरण पायलट परियोजना लॉन्च करेगी।केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी इस पायलट परियोजना का उद्घाटन पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी एवं अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में करेंगे। यह पायलट परियोजना पुडुचेरी सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई), सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) और नामित बैंकिंग सहयोगी और केनरा बैंक के समन्वय से लागू की जाएगी। इस पायलट परियोजना के तहत खाद्य सब्सिडी के लिए चिन्हित लाभार्थियों के सीबीडीसी वॉलेट में प्रोग्राम योग्य सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) टोकन के रूप में सीधे जमा की जाएगी। इन टोकनों का उपयोग केवल अधिकृत व्यापारियों एवं उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) से खाद्यान्नों की खरीद के लिए किया जा सकेगा, जिससे सब्सिडी का उद्देश्यपूर्ण उपयोग सुनिश्चित होगा एवं पारदर्शिता बढ़ेगी। मंत्रालय के मुताबिक सीबीडीसी आधारित डिजिटल फूड करेंसी पहल देश के खाद्य सुरक्षा तंत्र में डिजिटल रूपांतरण का अगला चरण है।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

नई दिल्ली। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुए। सेंसेक्स में 50 अंकों, जबकि निफ्टी में 58 अंकों की तेजी दर्ज की गई। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 731.99 अंक चढ़कर 82,957.91 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 57.85 अंक यानी 0.23 फीसदी चढ़कर 25,482.50 के स्तर पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 50.15 अंक यानी 0.061 फीसदी उछलकर 82,276.07 के स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और टेक महिंद्रा के शेयर बढ़त के साथ बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स और इटर्नल (जोमैटो) के शेयर गिरावट में रहे। एशिया के अन्य शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग उल्लेखनीय बढ़त के साथ बंद हुए। इसके साथ ही यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र के दौरान सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे।

पीएम गतिशक्तिः एनपीजी की बैठक में रेल, मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स की हुई समीक्षा

नई दिल्ली। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को लेकर हुई एक बैठक में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में दो रेलवे परियोजनाओं, एक मेट्रो परियोजना और एक हवाई अड्डा परियोजना का मूल्यांकन किया गया। इन परियोजनाओं से लॉजिस्टिक्स लागत कम होने, यात्रा समय घटने और परियोजना क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) की 109वीं बैठक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में हुई। यह बैठक अवसंरचना परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए बुलाई गई थी। इस बैठक में प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। इसमें बताया गया कि रेल मंत्रालय ने पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों से होकर गुजरने वाली 210.750 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन का निर्माण प्रस्तावित किया है। प्रस्तावित मार्ग में 27 स्टेशन होंगे। यह जालंधर, होशियारपुर, कांगड़ा, पठानकोट, कठुआ और सांबा जैसे प्रमुख जिलों से होकर गुजरेगी। इस परियोजना का उद्देश्य इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कॉरिडोर पर रेल क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना और कनेक्टिविटी को मजबूत करना है।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी का आईपीओ दूसरे दिन 83 फीसदी सब्सक्राइब

नई दिल्ली। पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली के दूसरे दिन 0.83 गुना सब्सक्राइब हुआ। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार इस इश्यू को ऑफर किए गए 57,06,235 इक्विटी शेयरों के मुकाबले 47,23,424 इक्विटी शेयरों की बोली मिलीं। आंकड़ों के मुताबिक योग्य संस्थागत क्रेता (क्यूआईबी) और खुदरा भाग क्रमशः 0.96 गुना तथा 0.66 गुना सब्सक्राइब हुआ। गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) भाग 0.65 गुना सब्सक्राइब हुआ, जबकि कर्मचारी आरक्षित 4.74 गुना सब्सक्राइब हुआ। पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी लिमिटेड का यह आईपीओ 24 फरवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला, जो गुरुवार, बंद हो जाएगा। कंपनी ने इश्यू खुलने से एक दिन पहले एंकर निवेशक से करीब 170.6 करोड़ रुपये जुटाए थे।

एफटीए से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यातकों के लिए खुलेंगे नये बाजार : कुमारस्वामी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार संधियों (एफटीए) से देश के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए नये बाजार खुलेंगे और भारत इस क्षेत्र में विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सिर्फ एक जलवायु पहल नहीं है, बल्कि यह एक औद्योगिक रणनीति है, जिसमें मजबूत उत्पादन का मौका और आपूर्ति-श्रृंखला रीकैलिब्रेशन है। नई दिल्ली में 'इलेक्ट्रिक वाहनों पर उद्योग संगठन भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए एचडी कुमारस्वामी ने उद्योग से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के लिए

भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और इसके मूल्य श्रृंखला निर्यात का फायदा उठाने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन में खुद को ग्लोबल लीडर के तौर पर स्थापित कर सकता है। मंत्री ने आगे कहा कि यह आज की चुनौतियों को हल करते हुए भविष्य की इंडस्ट्रीज़ बनाने के बारे में है। भारी उद्योग और स्टील मंत्री ने कहा कि भारत का इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के विजन और 2070 तक नेट जीरो हासिल करने के प्रतिबद्धता के साथ जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि साफ नीतियां, दिशा और मजबूत उद्योग भागीदारी के साथ भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी उत्पादन और नवाचार के लिए एक अग्रणी वैश्विक केंद्र के तौर पर खुद को मजबूती से स्थापित कर सकता है।

बीएमसी ने 80,952 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, पिछले साल से 8.77 प्रतिशत बढ़ोतरी

एजेंसी

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 80,952.56 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया। बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने यह बजट स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे के समक्ष पेश किया। इस बजट में कुल राशि का लगभग 60 प्रतिशत यानी 48,164.28 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किया गया है। निगम आयुक्त की ओर से पेस बजट का साइज पिछले वित्तीय वर्ष के बजट से करीब 8.77 फीसदी बढ़ा है। वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट का साइज 65,180 करोड़ 80 लाख रुपये था, जबकि 2025-26 के लिए पेश बजट का साइज 74,427.41 करोड़ रुपये था। बजट में विकास कार्यों की राशि बढ़ाई गई है। बजट में वेसावे-दहिसर और दहिसर-भायंदर कोस्टल रोड के लिए वित्तीय प्रावधान किया गया है। इसी तरह मुंबई सीवरेज प्रोजेक्ट्स, वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स, सड़कें, स्टॉर्म वॉटर ड्रेन, स्वास्थ्य, गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड, आश्रय स्कीम के तहत सफाई कर्मचारियों की कॉलोनियों का पुनर्विकास, झुग्गी-झोपडियों में सुधार आदि के लिए भी वित्तीय प्रावधान किया है। पिछले तीन वर्ष बीएमसी में नगरसेवक का चुनाव नहीं होने की वजह से अतिरिक्त आयुक्त ने बजट पेश किया था। इस वर्ष नगर सेवकों का चुनाव हो गया है और चूने हुए नगरसेवक और महापौर हैं। इसी वजह निगम आयुक्त भूषण गगरानी ने नवनिर्वाचित सदस्यों के समक्ष बजट पेश किया।

ईडी का अनिल अंबानी पर एक्शन, मुंबई का 3716 करोड़ रुपये का घर अटैच

एजेंसी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के कथित बैंक घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई के पाली हिल स्थित आवास 'अबोड' को अटैच कर लिया है। अटैच की गई प्रापर्टी की कीमत 3,716.83 करोड़ रुपये है। ईडी के अनुसार इससे पहले इस प्रॉपर्टी का 473.17 करोड़ रुपये का हिस्सा अटैच किया गया था। आज की गई नई कार्रवाई के साथ अनिल अंबानी की अब तक अटैच की गई प्रॉपर्टी की कुल कीमत 15,700 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। ईडी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबाआई) की एफआईआर के आधार पर भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 120-ब, 406 और 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1989 की धारा 13(2) के साथ 13(1)(ड) के तहत रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरसीओएम), अनिल अंबानी और दूसरों के खिलाफ जांच शुरू की थी।

ईडी ने बताया कि आरसीओएम

और उसकी ग्रुप कंपनियों ने लोन लिया था, जिसमें से कुल 40,185 करोड़ रुपये बकाया है। जांच में पता चला है कि दूसरी एसेट्स के अलावा, पाली हिल प्रॉपर्टी को ट्रस्ट में मिला दिया गया था, जो अनिल अंबानी के परिवार के सदस्यों का एक प्राइवेट फैमिली ट्रस्ट है। ईडी ने बताया कि ऐसा इसलिए किया गया, ताकि ऐसा लगे कि अनिल अंबानी इसमें शामिल नहीं हैं। फिलहाल मामले की छानबीन ईडी की टीम कर रही है।

देश में 6जी और एआई आधारित दूरसंचार को बढ़ावा देने को टीईसी का आईआईटी खड़गपुर से समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में 6जी तकनीक को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित दूरसंचार प्रणाली, रेडियो और एंटीना तकनीक, माइमो तकनीक, सैटेलाइट और गैर-स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन) जैसे क्षेत्रों में भारत विशिष्ट मानक तैयार करने के लिए दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के साथ समझौता किया है। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि नई दूरसंचार तकनीकों पर संयुक्त अध्ययन, शोध और मानकीकरण गतिविधियों में सहयोग करने के लिए सोमवार को ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर के दौरान टीईसी के डीडीजी (एफए) कमल कुमार अग्रवाल और आईआईटी-खड़गपुर के प्रो. देबदीप मुखोपाध्याय ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती, प्रो. गौतम दास, डॉ. देबरती सेन और टीईसी के डीडीजी (आरटीईसी) सौविक कुमार दास भी मौजूद रहे।

इस सहयोग से देश में 6जी नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित

दूरसंचार प्रणाली, रेडियो और एंटीना तकनीक, माइमो (एमआईएमओ) तकनीक, सैटेलाइट और गैर-स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन) जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध किया जाएगा। साथ ही, भारत-विशिष्ट मानक तैयार करने और अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की भागीदारी मजबूत करने पर भी जोर दिया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि इस साझेदारी से भारत में दूरसंचार क्षेत्र में स्वदेशी अनुसंधान, डिजाइन और निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह सहयोग देश में मानक तय करने, परीक्षण ढांचे विकसित करने और घरेलू समाधान तैयार करने में मदद करेगा।

ट्राई स्थापना दिवस पर टीवी पहुंच, नेटवर्क स्लाइसिंग पर चर्चा का आयोजन, सिंधिया ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपने स्थापना दिवस पर 'हर घर तक टेलीविजन नेटवर्क की पहुंचः नीति, तकनीक और कारोबारी रणनीतियां' और 'नेटवर्क स्लाइसिंग और नेट की उदासीनता' जैसे विषयों पर चर्चा की। ट्राई ने यहां विश्व व्यापार केंद्र में अपना 29वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर ट्राई अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी, सचिव अतुल कुमार चौधरी, सदस्य रितु रंजन मित्तर, डॉ एमपी तंगिराला, प्रो. रंजन बोस, नीलकंठ मिश्रा, आईआईएम अहमदाबाद के प्रो. विश्वनाथ पिंगाली, सूचना प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रभात कुमार, केसीसीएल के सीईओ पद्म कुमार, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष यू के श्रीवास्तव, एसिक्सन से उमंग जिंदल और ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम से अनिल टंडन मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का वीडियो संदेश भी साझा किया गया। उन्होंने ट्राई को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं

और कहा कि नई तकनीकों के दौर में सही नियामक व्यवस्था जरूरी है। अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि 5जी और भविष्य की 6जी जैसी तकनीकें नेटवर्क और सेवाओं को नया रूप दे रही हैं। ऐसे में नियामक ढांचे को लचीला और पारदर्शी बनाए रखना जरूरी है ताकि नवाचार को बढ़ावा मिले और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहें।

सचिव अतुल कुमार चौधरी ने साल 1997 में प्राधिकरण की स्थापना को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्र नियामक संस्था ने उपभोक्ता हितों की रक्षा और दूरसंचार क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने टीवी की सामाजिक समावेशन में भूमिका और नई तकनीकों जैसे नेटवर्क स्लाइसिंग में पारदर्शिता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

ट्राई के सदस्य रितु रंजन मित्तर ने कहा कि पारदर्शी परामर्श प्रक्रिया और नवाचार को बढ़ावा देना दूरसंचार क्षेत्र की स्थिरता के लिए जरूरी है। सदस्य डॉ. एमपी तंगिराला ने तकनीकी मानकीकरण और डेटा आधारित नियमन की अहमियत बताई। प्रो. रंजन बोस ने शिक्षा जगत और उद्योग के साथ सहयोग को नवाचार के लिए महत्वपूर्ण बताया। सदस्य नीलकंठ मिश्रा ने डिजिटल ढांचे को भारत की आर्थिक वृद्धि का आधार बताते हुए नियामक स्पष्टता और प्रतिस्पर्धी तटस्थता पर जोर दिया।

मा शंकर सिंह के घर आयकर का छापा, योगी सरकार के मंत्री ने जताई नाराजगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ के आवास समेत अन्य ठिकानों पर आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को भारी पुलिस बल के साथ छापा मारा है। इसे लेकर बसपा प्रमुख ने अपने विधायक का बचाव किया और राज्य सरकार के एक मंत्री ने सार्वजनिक रूप से कार्यवाही की निंदा की है। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया की रसडा विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी से विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ के गोमती नगर स्थित आवास समेत अन्य ठिकानों पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उमाशंकर सिंह बहुजन समाज पार्टी से विधायक चुने गए थे। वे प्रदेश के एकमात्र बसपा के विधायक हैं और पिछले दो सालों से अस्वस्थ चल रहे हैं। विधायक और उनके सहयोगियों के लखनऊ व सोनभद्र समेत कई जिलों के ठिकानों पर आयकर की छापेमारी ने राज्य की सियासत गरमा दी है। उधर, इस कार्रवाई पर बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि उमाशंकर सिंह ने कोई भी गलत कार्य नहीं किया है और उनकी बीमारी के समय इस प्रकार की कार्यवाही उचित नहीं है और उनके खिलाफ किसी प्रकार की शिकायत नहीं है। बसपा विधायक के नजदीकी रिश्तेदार और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने उमाशंकर सिंह के घर और कार्यालय पर आयकर विभाग की कार्यवाही पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा कि विधायक उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। इस समय उनके घर पर नर्स या डॉक्टर को भी जाने की अनुमति नहीं है। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। उन्होंने लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी ब्याही है।

उप्र को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग एवं ड्रोन हब बनाने की दिशा में जर्मनी में बड़ी पहल

एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश के लिए निवेश आकर्षित करने की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार प्रदेश को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग एवं ड्रोन हब बनाने की दिशा में जर्मनी में बड़ी पहल हुई है।

उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश एवं उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से जर्मनी प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व कर रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैबिनेट मंत्री (आईटी) सुनील कुमार के साथ अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उपमुख्यमंत्री मौर्य ने जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी फुजीकुरा लिमटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ उन्नत सेंसर प्रौद्योगिकी, स्वायत्त प्लेटफॉर्म तथा स्मार्ट अवसंरचना से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में उत्तर प्रदेश में प्रोटोटाइपिंग एवं उन्नत विनिर्माण इकाई स्थापित करने की संभावनाओं, ऑटोमोटिव एवं ई-व्हीकल सेक्टर के लिए स्मार्ट सेंसर एवं इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सहभागिता तथा अनुसंधान एवं नवाचार आधारित सहयोग मॉडल पर गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि कंपनी ने प्रदेश में अपनी प्रोटोटाइपिंग तथा मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की स्थापना को लेकर गहरी रुचि व्यक्त की, जो उत्तर प्रदेश को उच्च-प्रौद्योगिकी विनिर्माण एवं नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत है। उन्होंने बताया कि इससे पहले उपमुख्यमंत्री ने जर्मनी की अग्रणी ड्रोन निर्माण कंपनी कुअंटम-सिस्टम के साथ बैठक कर तकनीक हस्तांतरण, संभावित निवेश मॉडल तथा उत्तर प्रदेश में उन्नत ड्रोन विनिर्माण एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के अवसरों पर विस्तृत विमर्श किया। बैठक में रक्षा एवं नागरिक उपयोग हेतु अत्याधुनिक यूएवी प्रणाली के विकास, डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत औद्योगिक सहयोग तथा अनुसंधान एवं कौशल विकास के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक संवाद हुआ। कंपनी ने अपने एकीकृत मल्टी-डोमेन ड्रोन इकोसिस्टम एवं रक्षा व नागरिक उपयोग के प्रमुख अनुप्रयोगों का प्रस्तुतीकरण किया, जिससे सहयोग की व्यापक संभावनाएं उभरकर सामने आईं। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने टेलीफोनिका ओ2 तथा हेलसोल्डट के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में दूरसंचार, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, रक्षा सहयोग, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता के दौरान उन्नत संचार नेटवर्क, सुरक्षित कनेक्टिविटी, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक सेंसर एवं एवियोनिक्स सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर प्लेटफ़ॉर्म तथा परीक्षण एवं उत्पादन हब की स्थापना की संभावनाओं पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी ने लगाई छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 2,260 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 10,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है।

कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,61,780 रुपये से लेकर 1,61,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,250 रुपये से लेकर 1,48,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,61,930 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

इस्पात क्षेत्र के दिग्गज जतिंदर मेहरा का 86 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के इस्पात और धातु उद्योग के जतिंदर मेहरा का 24 फरवरी को निधन हो गया। वह 86 साल के थे। वह भारत के इस्पात उद्योग के सम्मानित दिग्गज थे, जिनकी दूरदृष्टि ने एस्सार समूह की कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को दिशा दी। एस्सार समूह ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''एस्सार परिवार, जतिंदर मेहरा जी के निधन से बेहद दुखी है। मेहरा एस्सार समूह के धातु एवं खनन प्रभाग में वाइस चेयरमैन के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने समूह के धातु एवं खनन व्यवसायों को रणनीतिक दिशा प्रदान की। समूह ने कहा कि मेहरा ने कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं का नेतृत्व किया, विचारों को मूर्त रूप दिया। उन्होंने अपनी स्पष्ट सोच, प्रतिबद्धता एवं नेतृत्व से दलों को प्रेरित किया। कंपनी ने बताया कि एस्सार समूह में अपने कार्यकाल के दौरान मेहरा ने हजीरा में इस्पात उत्पादन क्षमता के विस्तार और ओडिशा में प्रस्तावित पारादीप इस्पात संयंत्र सहित एकीकृत इस्पात परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व ने वैश्विक इस्पात क्षेत्र में समूह की उपस्थिति मजबूत करने में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री योगी के जापान दौरे के पहले दिन लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

एजेंसी

लखनऊ/जापान। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। जापान में जिन कंपनियों के साथ उप्र सरकार के एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय

कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है। एस्कॉर्ट्स कुबोता लिमिटेड के साथ सहयोग के माध्यम से कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार और फार्म मैकेनाइजेशन क्षेत्र में उपस्थिति को मजबूत कर रही है। मिंडा कारपोरेशन, जो स्पार्क मिंडा समूह का हिस्सा है, ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माण में अग्रणी भारतीय कंपनी है। यह मैक्ट्रॉनिक्स, वायरिंग हार्नेस, प्लास्टिक इंटीरियर, सेंसर और ईवी समाधान उपलब्ध कराती है। जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जिसे जेएई के नाम से जाना जाता है, ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस सेक्टर के लिए एडवांस कनेक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस समाधान में विशेषज्ञता रखती है। नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, एक विविधीकृत जापानी ट्रेडिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो केमिकल्स, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सक्रिय है। इन कंपनियों के बीच सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। सीको एडवांस जापान मूल की कंपनी है जो उच्च प्रदर्शन स्क्रीन प्रिंटिंग इंक और कोटिंग सॉल्यूशंस के लिए जानी जाती है। इसके उत्पाद ऑटोमोटिव डीकल्स, इंडस्ट्रियल ग्राफिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पैनल, ग्लास प्रिंटिंग और कंज्यूमर अप्लायंसेज में उपयोग होते हैं। कंपनी भारत में अपनी विनिर्माण इकाई के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को आपूर्ति कर रही है। इसके अतिरिक्त ओ एंड ओ ने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश को लेकर समझौता किया।

आत्मघाती हमले का असर, केपी-पंजाब के बीच यातायात ठप

एजेंसी

पेशावर। पाकिस्तानी सेना और पुलिस को निशाना बनाकर पिछले कुछ दिनों से हमले तेज हो गए हैं। अलग-अलग हमलों में करीब 7 पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि देर शाम पंजाब प्रांत के भक्कर जिले में एक सुरक्षा चौकी पर हुए आत्मघाती हमले ने भी पुलिसकर्मियों की जान ले ली। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इसके बाद से ही केपी-पंजाब के बीच आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई है। रमजान के महीने में आवाजाही को लेकर पाबंदी से दुकानदार काफी परेशान हैं। प्रमुख दैनिक डॉन के अनुसार, हमला देर रात पंजाब के भक्कर जिले में डेरा दरिया खान पुल के पास दाजिल चेकपोस्ट पर हुआ। आत्मघाती हमले के बाद खैबर पख्तूनख्वा को पंजाब से जोड़ने वाला मुख्य हाईवे भी बंद रहा। इससे अंतर-प्रांतीय सीमा के दोनों ओर आने-जाने वालों और व्यापारियों को मुश्किल हुई। यह हमला मंगलवार शाम करीब 7 बजे हुआ जब एक आत्मघाती हमलावर ने डेरा इस्माइल खान को पंजाब से जोड़ने वाले पुल से थोड़ी दूरी पर बने चेकपोस्ट के पास खुद को उड़ा दिया। सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर हमलावर को ब्लास्ट करने से पहले पोस्ट के पास आते हुए दिखाया गया है।

ऊर्जा आपूर्ति विवाद के बीच हंगरी ने बढ़ाई अहम ठिकानों की सुरक्षा, यूक्रेन पर लगाए आरोप

बुडापेस्ट। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने यूक्रेन पर हंगरी की ऊर्जा व्यवस्था को बाधित करने की तैयारी का आरोप लगाया है। उन्होंने देश की महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसंरचना की सुरक्षा मजबूत करने के लिए सैनिकों और आवश्यक उपकरणों की तैनाती का आदेश दिया है। यह बयान उस समय आया है जब 'द्रुज़्बा' तेल पाइपलाइन से आपूर्ति बाधित होने को लेकर हंगरी और यूक्रेन के बीच विवाद गहरा गया है। यह पाइपलाइन रूस से कच्चा तेल हंगरी और स्लोवाकिया तक पहुंचाती है। बुडापेस्ट और ब्रातिस्लावा का कहना है कि आपूर्ति में रुकावट यूक्रेन की वजह से लंबी खिंची है, जबकि कीव का दावा है कि पश्चिमी यूक्रेन में पाइपलाइन उपकरण पर रूसी ड्रोन हमले के कारण यह समस्या पैदा हुई। ओरबान ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि द्रुज़्बा पाइपलाइन का बंद होना 'तकनीकी नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों' से हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि खुफिया रिपोर्टों में ऊर्जा तंत्र को और नुकसान पहुंचाने की संभावित गतिविधियों के संकेत मिले हैं। इसी के मद्देनजर सरकार ने प्रमुख ऊर्जा प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

नेपाल संसदीय चुनाव : सेना की सुरक्षा में पहुंचाए गए बैलेट पेपर और बैलेट बॉक्स

काठमांडू। नेपाली सेना ने आगामी 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन के लिए सभी निर्वाचन क्षेत्रों में बैलेट पेपर और बैलेट बॉक्स सहित अन्य निर्वाचन सामग्री सुरक्षित पहुंचा दिया है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल राजाराम बस्नेत के अनुसार सभी 77 जिलों में निर्वाचन सामग्री पहुंचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पांच जिलों में हवाई मार्ग से तथा अन्य जिलों में स्थल मार्ग से मतपत्र ढुलाई की गई है। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि चुनावों में मतपत्र छपाई स्थल की सुरक्षा से लेकर काठमांडू से देशभर के निर्वाचन कार्यालयों तक मतपत्र ढुलाई का कार्य सुरक्षित तथा सफलतापूर्वक किया गया है। निर्वाचन के दौरान सेना तीसरे सुरक्षा घेर में रहकर सुरक्षा प्रदान करेगी। मतदान सम्पन्न होने के बाद अन्य सुरक्षा निकायों, निर्वाचन अधिकारियों तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित एकीकृत टीम के साथ मतपेटिकाओं को मतगणना स्थल तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी भी सेना के ही पास है। मतगणना के समय सेना गणना स्थल के बाहरी घेर में सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। प्रवक्ता बस्नेत ने स्पष्ट किया कि आगामी चुनाव को सुरक्षित, भयमुक्त और निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए सेना सहित अन्य सुरक्षा निकाय पूर्ण रूप से सक्रिय हैं।

चंदा नहीं देने पर बांग्लादेश में हिंदू व्यवसायी पर हमला, पुलिस पर मामला दर्ज न करने का आरोप

ढाका। बांग्लादेश के पटुआखाली जिले में पांच लाख टाका चंदा नहीं देने पर एक अल्पसंख्यक हिंदू व्यवसायी के साथ मारपीट और उत्पीड़न का मामला सामने आया है। आरोप है कि मिर्जागंज उपजिला के एक स्थानीय राजनीतिक पदाधिकारी और उनके सहयोगियों ने व्यवसायी पर हमला किया। पीड़ित की पहचान निर्मल दास (50) के रूप में हुई है। घटना 22 फरवरी की शाम मिर्जागंज उपजिला के सुबिदखाली बाजार में हुई। लोगों ने घायल निर्मल दास को बचाकर मिर्जागंज उपजिला स्वास्थ्य परिसर में प्राथमिक उपचार कराया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें बरिशाल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित का आरोप है कि 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनाव के बाद से उनसे पांच लाख चंदा मांगा जा रहा था। 22 फरवरी की शाम करीब साढ़े सात बजे जब वह घर से अपनी दुकान की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्हें रोककर कथित रूप से चंदा मांगा गया।

इजरायली पीएम नेतन्याहू का अलग अंदाज, प्रधानमंत्री मोदी के लिए हिंदी में लिखा, 'आपका स्वागत है'

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल पहुंचने पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने गर्मजोशी से स्वागत किया। विमान से उतरते ही पीएम नेतन्याहू ने बाहें फैलाकर 'अपने मित्र' पीएम मोदी का स्वागत किया। यह भव्य स्वागत व्यक्तिगत तौर पर आमने-सामने तो चला ही, साथ ही सोशल मीडिया पर छाया रहा। इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट पर बड़े अलग अंदाज में जवाब दिया। दरअसल, जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी इजरायल पहुंचे, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वहां पहुंचने की पोस्ट की और वहां होने वाले भव्य स्वागत का जिक्र किया। उन्होंने वहां होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी साझा की। उनकी इसी पोस्ट पर इजरायल के

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्साह दिखाते हुए जवाब दिया। नेतन्याहू ने जवाब में लिखा, 'आपका स्वागत है।'

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर इजरायल पहुंचे हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ उनका स्वागत किया। पीएम मोदी की नौ साल में दूसरी इजरायल यात्रा है। इससे पहले वे जुलाई 2017 में यहां आए थे।

प्रधानमंत्री मोदी बुधवार और गुरुवार को इजरायल दौरे पर रहेंगे। इस दौरान, दोनों देश अपनी स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के लिए नए लक्ष्य तय करेंगे और एक नए और खुशहाल भविष्य के लिए अपने साझा विजन को आगे बढ़ाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के तय शेड्यूल के अनुसार, वे नेसेट को भी संबोधित करेंगे। ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। वे भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में भी शामिल होंगे और टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी का भी हिस्सा बनेंगे।इजरायल में प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर वहां रहने वाले भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों ने खुशी जाहिर की। लोगों ने आज के दिन को बहुत ही खास और दुनियाभर के भारतीयों के लिए गर्व का क्षण बताया।

जापान की रणनीतिः 2031 तक ताइवान के निकट द्वीप को बनाएगा मिसाइल बेस, चीन से तनाव बढ़ना तय

एजेंसी

टोक्यो। जापानी रक्षा मंत्री ने कहा है कि उनका देश पांच साल के अंदर ताइवान के पास एक छोटे से द्वीप पर मिसाइलें तैनात कर देगा। इस कदम से चीन के साथ तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। जापानी न्यूज एजेंसी क्योदो ने बताया कि शिंजिरो कोइजुमी ने कहा कि जमीन-से-हवा में वार करने वाली मिसाइलें, जो एयरक्राफ्ट और बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम हैं, मार्च 2031 तक योनागुनी (जापान के सबसे पश्चिमी आइलैंड) पर तैनात कर दी जाएंगी। कोइजुमी ने रिपोर्टर्स से कहा, 'यह कार्य की प्रगति पर निर्भर करता है, लेकिन हम साल 2030 के लिए योजना बना रहे हैं,' और उन्होंने पहली बार तैनाती के शेड्यूल पर विस्तृत जानकारी दी। कोइजुमी ने यह ऐलान जापान की प्रधानमंत्री, साने ताकाइची, के ताइवान की सिक्योरिटी को लेकर टोक्यो और बीजिंग के बीच लगभग ठप पड़े राजनियक रिश्तों के बीच किया है। ताकाइची ने पिछले साल सांसदों से कहा था कि अगर ताइवान को लेकर संघर्ष जापान के लिए खतरा बनता है, तो ताइवान पर चीन के हमले में उनका देश अपनी रक्षा के वास्ते ठोस कदम उठाएगा। इसके बाद चीन ने काफी सख्त रवैया अपनाया था। उन्होंने ताकाइची से अपने स्टैंड से पलटने की सिफारिश की थी। लेकिन जापानी पीएम अपनी बात पर अड़ी रहीं। इस वजह से चीन ने अपने नागरिकों से जापान न जाने की अपील की। साथ ही, जापान की कंपनियों के 'डुअल यूज' एक्सपोर्ट पर रोक लगा दी।

अफगानिस्तान में भूकंप, रिक्टर स्केल पर 5.4 मापी गई तीव्रता

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। आए भूकंप की तीव्रता जर्मनी के भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र ने 5.4 बताई है। कुछ अन्य जगह 5.7 बताई गई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के हवाले से बताया कि अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर इलाके में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। स्थानीय समयानुसार 4 बजकर 42 मिनट पर तेज झटकों से लोग सहम गए। भूकंप का केंद्र (एपिसेंटर) 36.93 डिग्री नॉर्थ अक्षांश और 71.61 डिग्री ईस्ट देशांतर पर स्थित था। जबकि हाइपोसेंटर जमीन की सतह से 90.2 किमी की गहराई पर दर्ज किया गया।

भूकंप के झटके पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी महसूस किए गए। पाकिस्तान के सिसमोलॉजी विभाग के अनुसार झटके इस्लामाबाद, स्वात, पेशावर, चित्राल और पाकिस्तान के दूसरे शहरों में भी महसूस किए गए।

प्रभावित शहरों में रहने वालों ने तेज झटकों की सूचना दी, जिससे कई लोगों को घर और ऑफिस

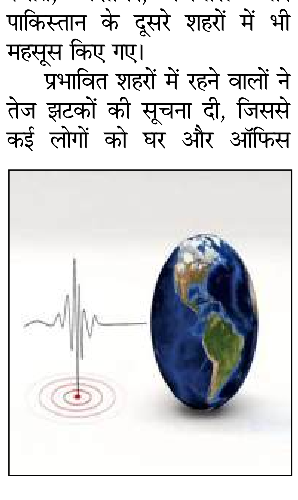

खाली करने पड़े और वे खुली जगहों पर सुरक्षित जगह पर चले गए। अभी तक किसी नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

20 फरवरी को भी अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे काबुल और कई अन्य प्रांत हिल गए थे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र पंजशीर प्रांत की राजधानी बजारक से लगभग 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था, जो 90 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया था। पिछले साल नवंबर में आए भूकंप ने अफगानिस्तान में भारी तबाही मचाई थी। कई लोगों की मौत हो गई थी जबकि भारी संख्या में लोग घायल हुए थे।

अफगानिस्तान भूकंप प्रभावित क्षेत्र रहा है। 31 अगस्त 2025 को पाकिस्तान सीमा के पास पूर्वी अफगानिस्तान में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप में 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले 7 अक्टूबर 2023 को आए 6.3 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद आए झटकों में 4 हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी, जिसकी पुष्टि तालिबान शासन ने खुद की थी।

यूके जाने वाले भारतीयों के लिए ई-वीजा हुआ आवश्यक

एजेंसी

लंदन। यूनाइटेड किंगडम ने बुधवार से नए नियमों के तहत बॉर्डर और इमिग्रेशन सिस्टम में एक बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत भारतीय यात्रियों के लिए ई-वीजा अनिवार्य हो गया है। दावा है कि इससे यूके की यात्रा अधिक आसान और सुरक्षित हो गई है और विजिटर्स को लाभ होगा। ई वीजा फिजिकल पासपोर्ट (भौतिक दस्तावेज) में लगे पारंपरिक वीजानेट की जगह लेगा। यात्रियों को अब उनके पासपोर्ट से जुड़े यूके वीजा और इमिग्रेशन अकाउंट (यूकेवीआई) पर एक सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड मिलेगा, जिससे वीजा की जानकारी ऑनलाइन अप्लाई करना, स्टोर करना, मैनेज करना और दिखाना आसान हो जाएगा।

यह नई प्रक्रिया कागज आधारित वीजा 'स्टिकर' (विगनेट्स) की जगह लेगी। हालांकि, बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए आवेदन केंद्र पर आवेदक को जाना होगा, लेकिन इससे प्रक्रिया अवधि के दौरान पासपोर्ट दस्तावेज छोड़ कर जाने की अनिवार्यता समाप्त हो जाएगी।

यूके का कहना है कि ई वीजा शुरू होने से यूके जाने वाले लोग सीधे अपने ऑनलाइन यूकेवीआई अकाउंट के जरिए अपनी वीजा डिटेल्स देख पाएंगे। सभी वीजा

जानकारी डिजिटल फॉर्म में सुरक्षित रूप से स्टोर की जाएगी। यह एक उन्नत डिजिटल प्रणाली देगा जिससे धोखाधड़ी की आशंका कम होगी। हालांकि, फिजिकल वीजा स्टिकर (विगनेट्स) रखने वाले लोग उनके एक्सपायर होने तक उनका इस्तेमाल कर सकते हैं।ब्रिटेन आने वाले यात्रियों के लिए डिजिटल यात्रा अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा, जिसका मतलब है कि यदि यात्रियों के पास ई-वीजा, ईटीए या अन्य वैध दस्तावेज नहीं होंगे तो एयरलाइन उन्हें विमान में सवार होने से रोक सकती है। बता दें कि सरकार ने पिछले साल ई-वीजा प्रणाली शुरू की थी और इस सप्ताह तक भौतिक दस्तावेज स्वीकार किए गए हैं। बायोमेट्रिक रेजिडेंस परमिट, बायोमेट्रिक रेजिडेंस कार्ड और पेपर स्टैम्प अब जारी नहीं किए जाएंगे, और भौतिक दस्तावेज के मौजूदा आवेदकों को दोबारा आवेदन किए बिना ऑटोमैटिकली डिजिटल स्टेटस में बदल दिया जाएगा।

अमेरिका, कनाडा और फ्रांस के नागरिकों समेत 85 देशों के ऐसे विजिटर्स, जिनको वीजा की जरूरत नहीं होती है, को अब ब्रिटेन की यात्रा करते समय ईटीए की आवश्यकता होगी।

प्रवासी भारतीयों का गर्मजोशी भरा अंदाज, इजरायल में गूंजे 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम'

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत के बाद तेल अवीव के होटल पहुंचे। यहां पर भी भारतीय समुदाय की ओर से प्रधानमंत्री के स्वागत का खास इंतजाम किया गया था। यहां उनके स्वागत में कालाकारों ने खास सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे गूंजे। पीएम मोदी ने भी प्रस्तुतियों का आनंद लिया और उन कलाकारों की सराहना की। यह शानदार आयोजन भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उजागर करता है। इजरायल पहुंचने के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक प्राइवेट मीटिंग के बाद प्रधानमंत्री मोदी होटल पहुंचे। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय मुद्दों के अलावा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के मकसद से कई विषयों पर चर्चा की।

यहां इजरायली प्रधानमंत्री के ऑफिस से एक वीडियो शेयर हुआ। इस वीडियो में दोनों नेताओं की मुलाकात दिखाई गई, जिसमें नेतन्याहू को कहते दिखे, 'यह असली दोस्ती का रिश्ता है। बहुत अच्छे दोस्त, मेरे बहुत अच्छे दोस्त।' प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'नेतन्याहू के साथ बेहतरीन बैठक हुई। उनके गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार। नौ साल बाद इजरायल लौटकर खुशी हुई। हमने तकनीक, जल प्रबंधन, कृषि, प्रतिभा साझेदारी और अन्य क्षेत्रों में करीबी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। हमने क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया।' दोनों नेताओं की यह निजी बैठक नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू की ओर से हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का विशेष स्वागत करने के बाद हुई। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'मेरी पत्नी सारा और मैंने आज अपने अच्छे मित्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया, जो इजरायल के लिए एक और ऐतिहासिक यात्रा पर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले 2017 में इजरायल का दौरा किया था। उसके बाद मैंने भी भारत का दौरा किया था। हमारे बीच करीबी व्यक्तिगत संबंध हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के लाइसेंस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध रूप से रहने वालों को व्यावसायिक ड्राइवर लाइसेंस देने के खिलाफ एक संघीय कानून बनाने का आह्वान किया है, जिसमें उन्होंने भारत से आए एक अवैध प्रवासी से जुड़ी एक दुर्घटना का जिक्र किया, जिसमें एक बच्ची घायल हो गई थी। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस से एक कानून पारित करने का आह्वान करता हूं जिसे हम 'डेलिला लॉ' कहेंगे, जो किसी भी राज्य को अवैध अप्रवासियों को व्यावसायिक चालक लाइसेंस जारी करने से रोकेगा। ये बातें उन्होंने बुधवार (भारतीय समय) को कांग्रेस को दिए अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में कहीं। वह बच्ची, डेलिला कोलमैन, जिसके नाम पर वह इस कानून का नाम रखना चाहते हैं, वो सार्वजनिक दीर्घा में मौजूद थी। जब ट्रंप ने उसे बोलने के लिए बुलाया तो सबने खड़े होकर तालियां बजाईं और उसके पिता, मार्कस कोलमैन ने उसे गोद में उठा लिया। ट्रंप ने अवैध अप्रवासन के खिलाफ बोलते हुए डेलिला के मामले का जिक्र किया, जिसके लिए उन्होंने अपने पूर्ववर्ती, जो बाइडेन को दोषी ठहराया और अवैध प्रवासियों से जुड़े कई मामलों का जिक्र किया। उन्होंने डेलिला के मामले में चालक या उसके देश का नाम नहीं लिया। केवल इतना कहा कि चालक एक अवैध अप्रवासी था जिसे जो बाइडेन ने प्रवेश दिया था और कैलिफोर्निया के खुले सीमा नीति समर्थकों द्वारा उसे कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस दिया गया था। बता दें कि प्रताप सिंह अक्तूबर 2022 में मैक्सिको के रास्ते अमेरिका में दाखिल हुआ था। उनकी पहचान गृह सुरक्षा विभाग ने दुर्घटना में शामिल ट्रक चालक के रूप में की थी। ट्रंप ने कहा कि दुर्घटना के बाद, डॉक्टरों ने कहा था कि डेलिला कभी चल-फिर या बोल नहीं पाएगी।

विश्व में जहां भी भारतीय मूल के लोग संकट में होते हैं, भारत उनके साथ खड़ा रहता हैः सीएम योगी

एजेंसी

टोक्यो। 'पहले यूपी में सड़कें नहीं थीं, बिजली नहीं आती थी। क्योंकि अंधेरे में काम करने वालों को उजाला रास नहीं आता। जब प्रवृत्ति डकैती की हो तो प्रदेश भी अंधेरे में रखा जाता है। लेकिन, हमने तय किया कि उत्तर प्रदेश को भय और भ्रष्टाचार से मुक्त करना है तो उसे उजाले में लाना होगा। हम सूर्यपुत्र हैं, हमें सूर्य जैसी रोशनी चाहिए।' जापान में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी सधे व स्पष्ट अंदाज में उत्तर प्रदेश के 'अंधेरे से उजाले' तक के परिवर्तन की यशगाथा को सबके सामने रखा। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और निवेश के नए अवसरों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज यूपी दंगों या कर्फ्यू की खबरों से आगे बढ़कर दीपोत्सव, महाकुंभ और

वैश्विक निवेश की पहचान बन चुका है और यही परिवर्तन भारत को विकसित राष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कनेक्टिविटी का संकट था, सड़कें नहीं थीं, बिजली नहीं आती थी। लोग भी कहते थे कि बिजली गायब रहती थी। दरअसल, पहले की सरकारें अंधेरे में रहने की आदी थीं, क्योंकि उनके सारे कार्य तो अंधेरे में होते थे। आप मुझे बताओ, क्या उजाले में डकैती पड़ेगी? जब प्रवृत्ति डकैती डालने की थी तो वह तो अंधेरे में ही डाली जा सकती थी, इसलिए बिजली नहीं देते थे। वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करते थे। हम चाहते थे कि प्रदेश डकैती से मुक्त हो, भय से मुक्त हो। उसके लिए उजाला चाहिए। और हम सूर्यपुत्र हैं, तो हमें सूर्य जैसी रोशनी चाहिए। इसलिए हमने बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करवाई। आज यह परिवर्तन उत्तर प्रदेश में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। विकसित भारत का संकल्प साकार होता दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश, जो 25 करोड़ आबादी का राज्य है, अब विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। पहले कर्फ्यू, दंगा और अंधेरा ही समाचारों में होता था। आज उत्सवों की खबरें होती हैं।

इमरान खान को लेकर पीटीआई के रवैए से नाखुश बहन अलीमा, पूछा कहां हैं पार्टी नेतृत्व

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के इलाज का मसला अब पक्ष विपक्ष का ही नहीं रह गया है बल्कि परिवार और पार्टी भीतर के असंतोष का भी मामला बन गया है। पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खानम ने पार्टी नेतृत्व पर ही सवाल खड़े किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री के मेडिकल ट्रीटमेंट को लेकर किए गए फैसलों पर पार्टी नेतृत्व की कड़ी आलोचना की। अलीमा ने मीडिया के सामने अपना दर्द और आक्रोश जाहिर किया। उनके साथ दोनों बहनें उज्मा और नौरीन खानम भी मौजूद थीं। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस इमरान खान के एक दिन पहले हुए फॉलोअप ट्रीटमेंट को लेकर मचे बवाल के बीच की गई। हालांकि, उनकी पार्टी (पीटीआई) ने इस प्रक्रिया को लेकर बरती जा रही 'सीक्रेसी' और परिवार के सदस्यों को इससे पूरी तरह बाखबर न रखने पर ऐतराज जताया था। विपक्ष ने भी बार-बार मांग की है कि जेल में बंद इमरान के केस की जल्द सुनवाई की जाए। प्रमुख मीडिया हाउस डॉन ने कहा कि मीडिया से बात करते हुए, अलीमा ने कहा कि पीटीआई संस्थापक की सेहत फिलहाल परिवार की सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि उनके इलाज का कोई भी फैसला उनकी इजाजत के बिना नहीं लिया जाना चाहिए। इमरान की हेल्थ के बारे में 17 फरवरी को गृहमंत्री मोहसिन नकवी के बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री ने सबके सामने दावा किया था कि इमरान को मेडिकल ट्रीटमेंट मिला था, लेकिन पार्टी नेतृत्व उस इलाज के नेचर को कन्फर्म नहीं कर सका। अपने बयान में, नकवी ने अलीमा पर यह भी आरोप लगाया था कि वह अपने जेल में बंद भाई की सेहत संबंधी दिक्कतों का राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल कर रही हैं।अलीमा ने पूछा, 'कोई भी इस बात से इनकार या कन्फर्म क्यों नहीं करता कि कौन सा ट्रीटमेंट किया गया था?' उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार ने जिन चिकित्सकों की फेहरिस्त दी उनसे संपर्क नहीं किया गया और इलाज उस अस्पताल में नहीं कराया गया जिसकी हमने मांग उठाई थी।

नेपाल में संसदीय चुनाव के मद्देनजर 4, 5 और 6 मार्च को रहेगा राष्ट्रीय अवकाश

काठमांडू। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव में अधिक से अधिक शामिल हो सकें, इसलिए सरकार ने तीन दिनों के राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा की है। मतदान से एक दिन पूर्व और मतदान के दिन सहित कुल तीन दिन सार्वजनिक अवकाश रहेगा। निर्वाचन आयोग के अनुरोध पर लिया गया यह निर्णय मतदान प्रतिशत बढ़ाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मंगलवार की शाम को हुई कैबिनेट बैठक में निर्वाचन आयोग के प्रस्ताव पर सरकार ने मुहर लगा दी, जिसके बाद राजपत्र प्रकाशित कर तीन दिनों के राष्ट्रीय अवकाश की औपचारिक घोषणा की गई। इस तीन दिनों के राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा के साथ ही अब पूरे आठ दिन का अवकाश हो गया है। सरकार ने पहले ही 2 और 3 मार्च को होली के लिए राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा की है। 4, 5 और 6 मार्च को मतदान के लिए राष्ट्रीय अवकाश दिया गया है। 7 मार्च को शनिवार होने से साप्ताहिक अवकाश रहता है। इसी तरह 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सरकारी पूर्व घोषित अवकाश है। सरकार का मानना है कि अवकाश की घोषणा से सरकारी तथा निजी क्षेत्र के कर्मचारी, श्रमिक, विद्यार्थी और अन्य वर्ग सहज रूप से अपने गृह क्षेत्र जाकर मतदान कर सकेंगे।

अफगानिस्तान से डरा पाकिस्तान! मंत्री बोले- हम पर हो सकती है जवाबी कार्रवाई

एजेंसी

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों पर एयरस्ट्राइक कर अपनी बहादुरी के कसीदे गढ़ रहा पाकिस्तान अब खौफजदा है। इसकी वजह अफगानिस्तान ही है। इस्लामाबाद को डर है कि कहीं काबुल अपना बदला लेने के लिए जवाबी हमला न कर दे। पाकिस्तान के गृह मंत्री तलाल चौधरी ने खुद ये बयान दिया है। उन्होंने इस मुकाबले से लड़ने के लिए पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने का दम भी भरा है। चौधरी ने ये बातें रॉयटर्स न्यूज एजेंसी से कही। चौधरी ने बताया, 'किसी भी हमले से निपटने के लिए हमारी सेना हाई-अलर्ट पर है। आप जानते हैं कि जब भी हम अफगानिस्तान के मिलिटेंट ठिकानों पर हमला करते हैं, तो वो हमेशा जवाबी हमला करते हैं।' पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते अफगानिस्तान के रिहायशी इलाकों पर एयरस्ट्राइक की थी। काबुल ने कहा था कि इस हमले में कई आम नागरिकों की जान गई है, तो पाकिस्तान ने कहा कि उनके निशाने पर अफगानिस्तान के आतंकी समूह थे, जिन्हें वह पाक के अंदर हाल ही में हुए कई आत्मघाती हमलों का जिम्मेदार मानता है।

इस्लामाबाद का आरोप है कि काबुल ने लड़ाकों को अफगानिस्तान को एक सुरक्षित पनाहगाह के तौर पर इस्तेमाल करने की इजाजत दे रखी है। हालांकि तालिबान ने इन आरोपों से इनकार करते हुए हमेशा कहा है कि मिलिटेंसी पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या है।

प्रमुख स्थानीय दैनिक डॉन के अनुसार पाकिस्तानी और अफगान सेनाओं के बीच मंगलवार को सीमा पर गोलीबारी हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर झड़प शुरू करने का आरोप लगाया था।

चौधरी के डर की वजह पिछले कुछ दिनों में हुए ताबड़तोड़ हमले हैं, जिनमें बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं। हाल ही में कोहाट में पुलिस गाड़ी को निशाना बनाया गया, जिसमें एक अधिकारी समेत 5 पुलिसकर्मी मारे गए और दो आम नागरिक भी हताहत हुए। मंगलवार को ही एक चेकपॉइंट पर सुसाइड बम धमाका हुआ, जिसमें दो पुलिसकर्मी मारे गए।

चौधरी के अनुसार जवाबी हमलों ने इस्लामाबाद की बात को सच साबित किया है। उनका देश हमेशा से कहता आया है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान विरोधी ताकतों को सहारा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल के हफ्तों में फोर्स ने कई हमलों को टाला है और कई संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया है।

मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने सर्च और इंटेलिजेंस-बेस्ड ऑपरेशन तेज कर दिए हैं और 'दर्जनों संदिग्धों, उनके मददगारों और पनाहगारों को गिरफ्तार किया है।'

चौधरी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान में टेरर अटैक की कोशिश में बढ़ोतरी हो सकती है।

ग्लोबल मॉनिटरिंग ऑर्गनाइजेशन, आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा (एसीएलईडी) के मुताबिक, 2022 से हर साल हमलों की संख्या बढ़ रही है। एसीएलईडी के डेटा से पता चलता है कि पाकिस्तान में हमले 2022 में 658 से लगभग चार गुना बढ़कर 2025 में 2,425 हो गए और इसी दौरान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमले सात गुना से बढ़ गए। 2022 में जहां इसकी संख्या 118 थी वहीं 2025 में हमलों की संख्या बढ़कर 838 हो गई।

page 1 and 8 Feb 27_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/27/2026 12:10 AM Page 2

जत्रोफा - लाभकारी पौधा

सी एम शर्मा

जत्रोफा लगभग 175 प्रजाति की वनस्पतियों का समूह है जिसमें झाडियां और पौधे सम्मिलित हैं। इसके पौधे भारत, अफ्रिका, उत्तरी अमेरिका और कैरेबियन् जैसे ट्रापिकल क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं। यह एक बड़ा पादप है जो झाड़ियों के रूप में अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में उगता है।

इस पादप से प्राप्त होने वाले बीजों में 25-30 प्रतिशत तक तेल निकाला जा सकता है। इस तेल से कार आदि चलाये जा सकते हैं तथा जो अवशेष बचता है उससे बिजली पैदा की जा सकती है। जत्रोफा अनावृष्टि-रोधी सदाबहार झाडी है। यह कठिन परिस्थितियओं को भी झेलने में सक्षम है।

एक समय था जब जम्मू, साम्बा, कठुआ और उधमपुर में भी जट्रोफा के पौधे लगाने की होड़ शुरू की गई थी परन्तु हमारी सरकारों की विशेषता है की कार्य जल्दबाज़ी में शुरू हो कर बीच रास्ते में ही बंद कर दिए जाते हैं। जट्रोफा के साथ भी ऐसा ही हुआ। जट्रोफा से बायो-डीज़ल प्राप्त करने की बातें भी बहुत बड़े पैमाने पर चलीं लेकिन यूँ लगता है कि किसी भावावेश अथवा दबाव में इन्हें ठप्प कर दिया गया। इस पर गौर करने की ज़रुरत है। इस बात की गंभीरता यहां से ज़ाहिर होती है कि भारत में इसे व्यापक तौर पर बढ़ावा देने के सभी फीचर्स मौजूद हैं फिर यह थम क्यों गया। यदि कोस्टा-रीका जैसे देशों में यह सफल रहा तो भारत में क्यों नहीं।

खैर, जट्रोफा के बारे में कुछ जानकारी आपके लिए यहां-वहां से इकट्ठा की गई हैं जो आपके साथ साझा कर रहे हैं।

जम्मू में मुठी के स्थान पर रणबीर नहर के किनारे बाईं ओर लगाए गए जट्रोफा के 15 वर्ष आयु के पौधे। सर्दियों के बाद दुबारा हरे भरे होने को तैयार।

इसके बीज सस्ते हैं

बीजों में तेल की मात्रा बहुत अधिक है (लगभग 37%)

इससे प्राप्त तेल का ज्वलन ताप (फ्लैश प्वाइंट) अधिक होने के कारण यह बहुत सुरक्षित भी है।

1.05 किग्रा जत्रोफा तेल से 1 किग्रा बायोडिजल पैदा होता है।

जत्रोफा का तेल बिना रिफाइन किये हुए भी इंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

जत्रोफा का तेल जलाने पर धुआंरहित स्वच्छ लौ पैदा करता है।

थोडे ही दिनों लगभग दो वर्ष में इसके पौधे से फल प्राप्त होने लगते हैं

उपजाऊ भूमि और खराब उसर भूमि भूमि, दोनो पर इसकी उपज ली जा सकती है

कम वर्षा के क्षेत्रों 200 मिमी और अधिक वर्षा के क्षेत्रों, दोनों में यह जीवित रहता और फलता-फूलता है

वहां भी इसकी पैदावार ली जा सकती है जहां दूसरी फसलें नही ली जा सकतीं।

इसे नहरों के किनारे, सडकों के किनारे या रेलवे लाइन के किनारे भी लगा सकते हैं।

यह कठिन परिस्थितियों को भी सह लेता है।

इसकी खेती के लिये किसी प्रकार की विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती।

इसके पौधे की उंचाई भी फल और बीज इकट्ठा करने की दृष्टि से बहुत उपयुक्त है - जमीन पर खडे होकर ही फल तोडे जा सकते हैं।

फल वर्षा ऋतु आरम्भ होने के पहले ही पक जाते हैं, इसलिये भी फल इकट्ठा करना आसान काम है।

इसके पौधा लगभग 50 वर्ष तक फल पैदा करता है। बार-बार फसल लगाने की आवश्यकता नहीं होती।

इसको लगाना आसान है, यह तेजी से बढता है और इसको देखरेख की बहुत कम जरूरत होती है।

इसको जानवर नही खाते और कीट नही लगते। इस कारण इसकी विशेष देखभाल नहीं करनी पडती।

किसी भी पसल का प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि यह उन फसलों की पैदावार बढाने में मदद करता है।

जत्रोफा के करीब 1600 उपयोग गिनाये गये हैं।

इसके पौधे भू-क्षरण रोकने के लिये भी काम आते हैं

जत्रोफा की जडें जमीन से फास्फोरस सोखने का कार्य करती हैं - इसका यह गुण अम्लीय भूमि के लिये वरदान है

अपने पूरे जीवन के दौरान जमीन पर पत्तियां गिराता है जो भूमि की उर्वरा-शक्ति को बढाती हैं

इसके बीजों से तेल निकालने के बाद जो खली बचती है वह उच्च कोटि की जैविक खाद है (नाइट्रोजन से भरपूर)। इसे जानवरों को भी खिलाया जा सकता है क्योकि यह प्रोटीन से भरपूर होती है।

जानवर और कीडे इससे प्राकृतिक रूप से ही दूर भागते हैं। इसलिये इसका उपयोग बागों और खेतों की रक्षा के लिये चारदीवारी के रूप में भी किया जाता है।

इसके बीजों को पीसने पर जो तेल प्राप्त होता है उससे -

वाहनों के लिये बायोडिजल बनाया जा सकता है (बायोडिजल शत-प्रतिशत नवीनीकरणीय स्त्रोतों से बनाया जाता है। यह परम्परागत इंधनो का एक स्वच्छ विकल्प है। इसको भविष्य का इंधन माना जा रहा है। बायोडीजल में पट्रोलियम नहीं होता किन्तु इसे सम्यक अनुपात में पेट्रोलियम में मिलाकर विभिन्न प्रकार की गाडियों में प्रयोग किया जा सकता है। बायोडीजल विषैला नही होता; यह बायोडिग्रेडेबल भी है। बायोडिजल वानस्पतिक तेलों से प्राप्त अन्य वैकल्पिक इंधनों से भिन्न है। बायोडीजल को बिना किसी परिवर्तन किये ही डीजल इंजनों में प्रयोग कर सकते हैं जबकि वनस्पति तेलों से प्राप्त इंधनों को केवल इग्निशन कम्बस्शन वाले इंजनों में ही प्रयोग ला सकते हैं और वह भी कुछ परिवर्तनों के बाद। इस कारण, बायोडिजल प्रयोग में सर्वाधिक आसान इंधनों में से एक है। और सबसे अच्छी बात यह है कि खेती में काम आने वाले उपकरणों को चलाने के लिये सबसे उपयुक्त है। बायोडिजल जिस प्रक्रिया द्वारा निर्मित किया जाता है उसे ट्रान्स-इस्टरीकरण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में वनस्पति तेल या वसा से ग्लीसरीन को निकालना होता है। इस प्रक्रिया में मेथिल इस्टर और ग्लीसरीन आदि सह-उत्पादभी मिलते हैं। बायोडीजल में सल्फर और अरोमैटिक्स नहीं होते जो कि परम्परागत इंधनों में पाये जाते हैं। बायोडिजल के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह दूसरे इंधनों की भांति पर्यावरण के लिये हानिकारक नहीं है। इसके अलावा यह ऐसे स्त्रोतों से प्राप्त होता है जो पुन: नवीन किये जा सकते हैं। परम्परागत इंधनों की तरह यह प्रदूषण करने वाला धुवां नही पैदा करता।

सीधे लालटेन में डालकर जलाया जा सकता है

इसे जलाकर भोजन पकाने के काम में लिया जा सकता है

इसके तेल के अन्य उपयोग हैं - जलवायु संरक्षण, वार्निश, साबुन, जैव कीट-नाशक आदि

इसके फूल और तने औषधीय गुणों के लिये जाने जाते हैं।

इसकी पत्तियां घाव पर लपेटने (ड्रेसिंग) के काम आती हैं।

इसके अलावा इससे चर्मरोगों की दवा, कैंसर, बाबासीर, ड्राप्सी, पक्षाघात, सर्पदंश, मच्छर भगाने की दवा तथा अन्य अनेक दवायें बनती हैं।

इसके छाल से गहरे नीले रंग की डाई और मोम

किचन गार्डनिंग क्या है?

जिज्ञासु दिलों के लिए, किचन गार्डनिंग नियमित बागवानी के समान नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किचन गार्डन आमतौर पर छोटा और सौंदर्य की दृष्टि से अधिक मनभावन होता है। यह इस बात से मेल खाता है कि डिज़ाइन के संदर्भ में पूरा घर कैसा दिखता है। इसके अलावा, उत्पादन ताजा उपभोग के लिए है न कि बिक्री के लिए। सब्जियाँ, जड़ी-बूटियाँ और फल उगाने के लिए अनुकूल, किचन गार्डन अधिक व्यावहारिक और अधिक सुलभ हैं। वे देखने में बहुत सुंदर हैं।

किचन गार्डेनिंग के फायदे-

1. आपको अधिक घरेलू मौसमी सब्जियाँ और जड़ी-बूटियाँ खाने को मिलती हैं जो हानिकारक कीटनाशकों से मुक्त होती हैं।

2. जब आप इसे स्वयं उगाते हैं तो आपके भोजन में क्या शामिल है, इस पर बेहतर नियंत्रण होता है, जिससे यह एक स्वस्थ विकल्प बन जाता है।

3. किचन गार्डनिंग पूरे परिवार को शारीरिक गतिविधि में शामिल करने का एक बहुत ही स्वस्थ तरीका है।

4. किचन गार्डनिंग आपके घर के आस-पास की हवा को साफ करने में भी मदद करती है।

5. आपका किचन गार्डन आपके आस-पास के वातावरण को बेहतर बनाने में काफी मदद करता है।

अपना किचन गार्डन कहां लगाएं

किसी भी अन्य बगीचे की तरह, किचन गार्डन को भी उचित धूप की आवश्यकता होती है।

ये कुछ स्थान हैं जहां आप अपना खुद का किचन गार्डन बनाने पर विचार कर सकते हैं-

पिछवाड़े- पिछवाड़े सूर्य के प्रकाश, पानी और अन्य जुड़े तत्वों तक आसान पहुंच के कारण किचन गार्डन की खेती के लिए सबसे पसंदीदा क्षेत्र हैं।

पिछवाड़े का आकार वास्तव में मायने नहीं रखता क्योंकि आप स्टैक्ड किचन गार्डन का विकल्प चुन सकते हैं। यहां, आपको दीवारों पर पौधों की परतें मिलेंगी (जिन्हें वर्टिकल गार्डनिंग भी कहा जाता है)। यह वास्तव में जगह बचाने वाला है और जगह के समग्र सौंदर्य शास्त्र को जोड़ता है।

टेरेस- टेरेस एक और जगह है जहां आप अपना किचन गार्डन बनाने पर विचार कर सकते हैं। एकमात्र मुद्दा उनकी देखभाल करना होगा और आपको अपनी आपूर्ति लेने के लिए अतिरिक्त चक्कर लगाने होंगे। लेकिन ठीक तो है, %जितना अधिक प्रयास, उतना ही मीठा परिणाम।%

खिड़की की चौखट- यदि आपके पास जगह की समस्या है, तो खिड़की की चौखट आपके किचन गार्डन के लिए पौधों को रखने के लिए समान रूप से आशाजनक क्षेत्र बन जाती है। सबसे साधारण क्षेत्र को अत्यंत भव्य दिखाने के अलावा, आपको ताज़ी उपज भी मिलेगी।

गमले- यदि आप अपनी उपज उगाने के लिए गमलों (मिट्टी या प्लास्टिक) का उपयोग करने जा रहे हैं, तो आपको निम्नलिखित दो बातों का ध्यान रखना होगा-

पौधों को बढ़ने में मदद के लिए उचित स्थान उचित जल निकासी में मदद के लिए गमलों में छेद होना चाहिए।

प्रो-टिप- आप अपने किचन गार्डन के लिए दूध के डिब्बों, प्रयुक्त प्लास्टिक की बोतलों आदि को गमलों के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

आप अपने किचन गार्डन के लिए जिस स्थान को चुनते हैं, उसे दिन में कम से कम 4 से 5 घंटे पर्याप्त धूप मिलनी चाहिए, अधिमानतः सुबह की धूप।

किचन गार्डन में उगाई जाने वाली सब्जियां-

यहां कुछ सब्जियां हैं जिन्हें आप उगा सकते हैं :-

टमाटर- टमाटर विशेष रूप से बढ़ती परिस्थितियों को पसंद करते हैं जिसमें मिट्टी का आदर्श पीएच स्तर 6 और 6.8 के बीच होता है। जब पौधा घर के अंदर 6 से 7 इंच तक बढ़ जाए, तो इसे बाहर प्रत्यारोपित किया जाना चाहिए, जहां इसे 7 से 8 घंटे तक सीधी धूप मिल सके। इसके अलावा आपके किचन गार्डन से जो टमाटर मिलेंगे, वे निश्चित रूप से आपकी स्वाद कलिकाओं को एक बेहतरीन यात्रा पर ले जाएंगे।

बैंगन- बैंगन को 5-6 घंटे की पूर्ण धूप की आवश्यकता होती है और आप इसे आसानी से अपने छत के बगीचे या किचन गार्डन में उगा सकते हैं।

मिर्च

प्याज़

भिंडी

करेला

धनिया

पुदीना- बुआई का सर्वोत्तम समय फरवरी से अप्रैल है। पुदीने के बीज को या तो घर के अंदर या बाहर उगाया जा सकता है। सुनिश्चित करें कि मिट्टी अच्छी तरह से सूखी है। आपके पास 2 महीने से भी कम समय में कटाई के लिए पुदीना तैयार होगा, हालाँकि, बीज दो सप्ताह में ही अंकुरित होने लगेंगे। एक बार जब पौधे अंकुरित हो जाएं, तो उन्हें धूप वाली जगह पर रखना चुनें। यहां तक कि आधा शेड भी काम करता है. हालाँकि, गहरी छाया की अनुशंसा नहीं की जाती है।

तुलसी- तुलसी की कई किस्में होती हैं (हरी तुलसी के बीज, बैंगनी तुलसी के बीज,तुलसी ग्रीक बॉल बीज, औरथाई तुलसी के बीज)। तुलसी पूरे वर्ष अच्छी तरह से बढ़ती है इसलिए आप वर्ष के लगभग किसी भी समय बीज खरीद सकते हैं। जबकि तुलसी 7 से 10 दिनों में अंकुरित हो जाती है, यह तीन से चार सप्ताह के भीतर कटाई के लिए तैयार हो जाती है। आप इसे घर के अंदर या बाहर उगा सकते हैं लेकिन सुनिश्चित करें कि इसे पर्याप्त धूप मिले। तुलसी याददाशत बढ़ाने और तनाव कम करने के लिए जानी जाती है। इससे आपको इन्हें अपने घर के बगीचे में रखने के और भी अधिक कारण मिल जाते हैं।

लेमनग्रास- फरवरी से अप्रैल के महीनों में अच्छी तरह से पनपता है और इसके लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है। एक बार आप खरीद लेंलेमनग्रास के बीज, सुनिश्चित करें कि आप उन्हें ऐसे स्थान पर लगाएँ जहाँ उन्हें भरपूर धूप मिल सके। यदि मिट्टी की नमी ठीक न हो तो पत्तियाँ पीली या भूरी पड़ने लगती हैं। इसलिए, जड़ी-बूटी को अच्छी तरह से पानी देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन बातों को ध्यान में रखकर आप अपने किचन गार्डनिंग के अनुभव को आसान बना सकते हैं।

ये कुछ सब्जियाँ और जड़ी-बूटियाँ हैं जिन्हें आप अपने किचन गार्डन में उगा सकते हैं, लेकिन आप फल, मसाले, फूल और भी बहुत कुछ उगा सकते

बगीचे का रख रखाव-

अपने किचन गार्डन का रखरखाव पौधों के बीच सही दूरी रखने से शुरू होता है। जान लें कि आपको उन्हें इस तरह से रोपना होगा ताकि उनके पास बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पर्याप्त जगह हो। जो पौधे एक साथ रखे जाते हैं वे नमी के कारण मर जाते हैं।

अपने किचन गार्डन को बनाए रखने के लिए एक और युक्ति यह है कि पौधों की अच्छी तरह से काट-छाँट करें। स्वस्थ उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए इसे नियमित रूप से करें। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए छंटाई मृत या सूखी पत्तियों को काटने की प्रक्रिया है। यह पौधों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे वे स्वस्थ और तेजी से बढ़ते हैं। आप वर्ष के किसी भी समय छंटाई की प्रक्रिया अपना सकते हैं। आप अपने पौधों की जितनी अधिक छँटाई करेंगे, वे उतना ही अधिक फलेंगे-फूलेंगे। तेजी से साफ कटौती करने के लिए प्रूनर्स, जिन्हें क्लिपर्स भी कहा जाता है, का उपयोग करना सबसे अच्छा

कुदरती खेती का आधार

किसान ऋषि कृषि करके अपने सारे खर्च को बहुत ही कम या बिलकुल खत्म भी कर सकता है। आइये जानते हैं ऋषि कृषि, कुदरती खेती या प्राकृतिक कृषि या ज़ीरो बजट खेती क्या है? हमारे किसान भाई इसको अपना कर कैसे लाभ उठा सकते हैं। आज इस लेख मे हम आपको जीवामृत बनाने की विधि बतायंगे जिसके द्वारा हमारे किसान भाई घर मे ही खाद तैयार कर सकेंगे और उन्हे बाज़ार में पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे।

जैसा कि आप जानते ही हैं कि हमारे ऋषि कुदरती चीजों का प्रयोग करके ही उत्तम गुणवत्ता के अनाज एवं फलों का उत्पादन किया करते थे। ऋषि लोग जिस पोशक घोल का प्रयोग करते थे उसे ही आज कल लोग जीवामृत के नाम से जानते हैं।

जीवामृत निर्माण सामग्री

1 देशी गाय का गोबर 10 किलो ग्राम

2 देशी गाय का मूत्र 5-10 लीटर

3 पानी 200 लीटर

4 किसी भी दाल का बेसन 1-2 किलो ग्राम

5 गुड 1-2 किलो ग्राम

6 पुराने पेड के नीचे कि मिट्टी 1

ऊपर लिखी हुई सारी सामग्री हर किसान के घर मे उपलब्ध होती है। इसलिए उसे बाज़ार मे पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे। खेती के लिए सभी पोशक तत्वों का प्रबंध हो जाएगा।

ऊपर लिखी सारी सामग्री को एक बड़े से प्लास्टिक के ड्रम मे डालकर लकड़ी के एक डंडे से घड़ी की सुइयों की दिशा मे घोलना है। जब आपको लगे कि सब तत्व सही मिल गए हैं तो इसको बोरी से ढक कर रखना है। ये ध्यान रखे कि इस ड्रम को छाया मे ही रखे सीधे धूप के संपर्क मे नहीं होना चाहिए। तीन दिन मे ही यह घोल उपयोग योग्य हो जाएगा। लेकिन तीन दिन तक सुबह शाम इस घोल को उपरोक्त विधि अनुसार दो बार लकड़ी के डंडे से दो मिनट तक घोलना है। इस प्रक्रिया मे घोल के सड़ने से अमोनिया,कार्बनमोनोक्साइड, कार्बनडाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों का निर्माण होता है।

जीवामृत बनाना बहुत ही आसान है। लेकिन यदि आप इस घोल को बनाने के बाद स्प्रे के रूप मे प्रयोग करना चाहते हो तो आपको इसे छानने की विधि समझनी पड़ेगी।

सबसे पहले एक बड़ा सा नल वाला जार लीजिये। उसमें सबसे पहली परत बड़े पत्थर की लगाए। उसके ऊपर छोटे पत्थर की परत बिछाये। फिर आपको रेत की परत बिछानी है। उसके ऊपर प्लास्टिक की जाली लगानी है और सबसे ऊपर कपड़ा बिछाना है। ये आपका जीवामृत छानने का यंत्र तैयार है। अब इसमे जीवामृत का तैयार घोल डाल दो। जो भी फ़िल्टर हो के निकलेगा उसे हम स्प्रे के लिए प्रयोग कर सकते हैं ।

जीवामृत बनने के बाद सात दिन तक कभी भी उपयोग मे ला सकते हैं। सात दिन बाद बचे हुए जीवामृत को पानी के साथ उपयोग मे नहीं लाना चाहिए।

इस तरह से तैयार जीवामृत को महीने मे एक या दो बार उपलब्धता के अनुसार 200 लीटर प्रति एकड़ के हिसाब से सिंचाई के पानी मे मिला कर देना चाहिए। ऐसा करने से खेती मे चमत्कार के रूप मे बदवार होगी। और बंजर जमीन पर भी फसल लहलहा उठेगी।

सभी फसलों जैसे कि गन्ना, केला, गेंहू, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द, चना, सूरजमुखी, कपास, अलसी, प्याज, मिर्च, सरसों, हल्दी, अदरक, बैंगन, टमाटर,आलू, लहसुन, हरी सब्जियाँ, फूल, औषधीय पौधे, एवं सुगंधित पौधे आदि सभी पर 2 से लेकर 8 महीने तक जीवामृत का एक से लेकर तीन बार प्रति महीने छिड़काव करें।

खड़ी फसल पर जीवामृत का छिड़काव-

किसान भाई बीज बुआई के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 100 लीटर पानी और 5 लीटर जीवामृत (कपड़े से छाना हुआ) मिलाकर छिड़काव करें।

आप पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत को मिला कर छिड़काव करें।

दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या लस्सी मिला कर छिड़काव करें।

बीज बुआई के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 100 लीटर पानी और 50 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलकर छिड़काव करें।

पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत को मिला कर छिड़काव करें।

यदि फसल के दाने दूध की अवस्था मे या फल बाल्यावस्था में हों तो प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या 2 लीटर नारियल का पानी मिलाकर छिड़काव करें।

बीज बुआई के एक माह बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या लस्सी मिला कर छिड़ काव करें।

तीसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी 20 लीटर जीवामृत मे मिलाकर छिड़काव करें।

जीडीसी बसोहली में एनएसएस विशेष शीतकालीन शिविर का समापन, विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। सरकारी डिग्री कॉलेज बसोहली की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित 7 दिवसीय विशेष शीतकालीन शिविर का समापन गुरुवार को भव्य समारोह के साथ हुआ।

शिविर का आयोजन 20 से 26 फरवरी तक कॉलेज प्राचार्य प्रो. राज किरण शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि बसोहली विधायक दर्शन कुमार को एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रोशन लाल ने एनएसएस को युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया। सात दिवसीय शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैलियां, नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, विशेषज्ञों के साथ संवाद तथा सामुदायिक सेवा जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपने संबोधन में विधायक दर्शन कुमार ने एनएसएस इकाई, कॉलेज प्रशासन और स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर युवाओं के व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। समारोह के अंत में सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवकों राधिका देवी और मेहक ठाकुर ने किया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ऑयल टैंकर से 11 गोवंश मुक्त करवाए, वाहन जब्त

कठुआ, 26 फरवरी (हि.स.)। गोवंश तस्कर आए दिन तस्करी के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं जिसे कठुआ पुलिस विफल कर रही है।

जिले में गोवंश तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने लखनपुर अधिकार क्षेत्र के ट्रक टर्मिनल में बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 गोवंश को तस्करों से मुक्त कराया और एक ऑयल टैंकर को जब्त किया।

कठुआ पुलिस के अनुसार थाना लखनपुर की टीम ने एसएचओ इंस्पेक्टर नीरज चैधरी के नेतृत्व में नाका जांच के दौरान पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहे संदिग्ध ऑयल टैंकर एनएल01एएफ-4854 को रोककर तलाशी ली।

जांच के दौरान वाहन में 11 गोवंश को बेरहमी से ठूंसकर ले जाया जा रहा था, जिन्हें तुरंत सुरक्षित छुड़ाया गया और टैंकर को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

इस संबंध में थाना लखनपुर में एफआईआर संख्या 22/2026 धारा 223 बीएनएस और 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की जांच जारी है। कठुआ पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि गोवंश तस्करी जैसी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचन तुरंत पुलिस हेल्पलाइन 112 या 09858034100 पर दें।